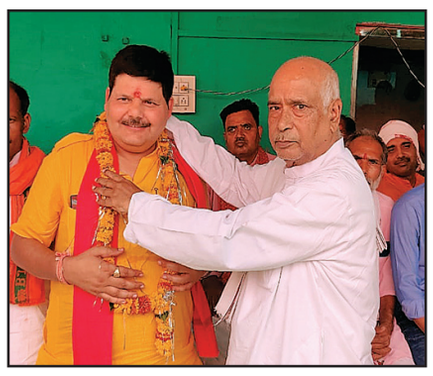

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 136

ग्वालियर, मंगलवार , 6 जुलाई, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

10वीं का परीक्षा परिणाम जारी

99.7 प्रतिशत रहा रिजल्ट

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। प्रदेश का परिणाम 99.7 प्रतिशत रहा है। 0.3 प्रतिशत छात्र पास नहीं हुए हैं। ये वो छात्र हैं जिन्होंने परीक्षा परिणाम तैयार करने के लिए तय सात मानदंडों को पूरा नहीं किया है। शिक्षा बोर्ड ने 10वीं की मेरिट लिस्ट जारी नहीं की है। मिली जानकारी के मुताबिक हमीरपुर जिले के सुजानपुर के छात्र की याचिका पर हाईकोर्ट ने दसवीं परीक्षा परिणाम की मेरिट सूची पर रोक लगाई है। हिंदी विषय की परीक्षा देने पहुंचे कोरोना संक्रमित छात्र को स्कूल प्रबंधन ने परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने से रोका दिया था। स्कूल शिक्षा बोर्ड के परीक्षा परिणाम घोषित करने के फार्मूले से छात्र संतुष्ट नहीं है। छात्र ने कहा कि कोरोना संक्रमित होने के चलते परीक्षा से वंचित विद्यार्थियों की बोर्ड परीक्षा ले। विद्यार्थी ने प्रदेश उच्च न्यायालय में परीक्षा परिणाम को लेकर याचिका दायर की थी। इसको देखते हुए छात्र के लिए अब 12 जुलाई को 10वीं के हिंदी विषय की परीक्षा होगी। याचिकाकर्ता छात्र ने सहानुभूतिपूर्ण सुनवाई पर उच्च न्यायालय का आभार जताया है। बोर्ड ने दसवीं के परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम तैयार करने के लिए सात मानदंड तय किए थे। इनमें नौवीं कक्षा, प्रैक्टिकल, इंटरनल असेसमेंट, फर्स्ट और सेकेंड टर्म इग्जाम, प्री-बोर्ड और बोर्ड की ओर से लिए गए हिंदी विषय के पेपर का मूल्यांकन करवाकर परिणाम तैयार किया गया। हालाकि प्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों को पहले ही अगली कक्षा में प्रमोट कर दिया है। मैट्रिक में 1,31,902 परीक्षार्थी हैं, जिनमें से 1,16,973 नियमित व 14,929 एसओएस से संबंधित हैं।

मौसम का हाल 10 जुलाई तक उत्तर भारत के बाकी हिस्सों में पहुंच सकता है मानसून

नई दिल्ली।

आईएमडी ने बताया कि 11 जुलाई के आसपास उत्तर आंध्र प्रदेश-दक्षिण ओडिशा तटों से सटे पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर कम दबाव का एक क्षेत्र बनने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी से निचले स्तर पर नम पूर्वी हवाएं आठ जुलाई से पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में धीरे-धीरे चलने की संभावना है। इसके 10 जुलाई तक पंजाब और उत्तरी हरियाणा को कवर करते हुए उत्तर पश्चिम भारत में फैलने का अनुमान है। विभाग ने कहा, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के पश्चिम उत्तर प्रदेश के शेष हिस्सों, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के कुछ और हिस्सों में 10 जुलाई के आसपास आगे बढ़ने की संभावना है। इससे 10 जुलाई से उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में बारिश के लिए स्थितियां अनुकूल होने की संभावना है।

जून के पहले ढाई हफ्तों में अच्छी बारिश के बाद, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 19 जून से आगे नहीं बढ़ा है। दिल्ली, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों, पंजाब, पश्चिमी

राजस्थान में अभी मॉनसून का आना बाकी है। आईएमडी ने जुलाई के पूर्वानुमान में कहा कि इस महीने पूरे देश में अच्छी बारिश होगी। हालांकि, उत्तर भारत के कुछ हिस्सों, दक्षिण प्रायद्वीप के कुछ हिस्सों, मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में सामान्य से कम बारिश हो सकती है। विभाग ने कहा कि सात जुलाई तक मॉनसून की प्रगति के लिए परिस्थितियां अनुकूल नहीं हैं। इसके अनुसार, दक्षिण पश्चिम मॉनसून (एनएलएम) की उत्तरी सीमा वर्तमान में अलीगढ़, मेरठ, अंबाला और अमृतसर से गुजर रही है।

कोविन ग्लोबल कॉन्क्लेव

कोरोना के खिलाफ हमारी लड़ाई में प्रौद्योगिकी अभिन्न अंग : पीएम मोदी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी सोमवार को कोविन ग्लोबल कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए महामारी में प्रौद्योगिकी के महत्व को बताया। संबोधन के दौरान सबसे पहले उन्होंने विश्व के सभी देशों में महामारी में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा कि 100 वर्षों में ऐसी महामारी पहले कभी नहीं देखी गई। पीएम मोदी ने कहा कि अनुभव से पता चलता है कि कोई भी राष्ट्र, चाहे वह राष्ट्र कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, अकेला इस तरह की चुनौती का समाधान नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा कि महामारी की शुरुआत से ही भारत इस लड़ाई में अपने सभी अनुभवों, विशेषज्ञता और संसाधनों को वैश्विक समुदाय के साथ साझा करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। अपनी तमाम मजबूरियों के बावजूद हमने दुनिया के साथ ज्यादा से ज्यादा साझा करने की कोशिश की है।

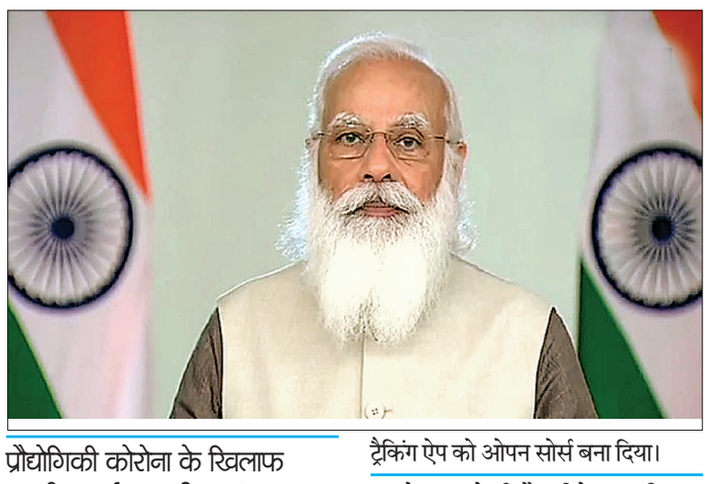

प्रौद्योगिकी कोरोना के खिलाफ हमारी लड़ाई का अभिन्न अंग

पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि प्रौद्योगिकी कोरोना के खिलाफ हमारी लड़ाई का अभिन्न अंग है। सौभाग्य से, सॉफ्टवेयर एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें संसाधनों की कोई कमी नहीं है। इसलिए हमने तकनीकी रूप से संभव होते ही अपने कोविड ट्रेसिंग और ट्रैकिंग ऐप को ओपन सोर्स बना दिया।

हमने शुरू से ही वैक्सीनेशन अभियान को डिजिटल माध्यम से जोड़ा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोरोना संक्रमण से उभरने के लिए वैक्सीनेशन एक उम्मीद है। हमने शुरू से ही वैक्सीनेशन अभियान को डिजिटल माध्यम से जोड़ा है। हम सभी को एकसाथ मिलकर आगे बढ़ना होगा।

भारतीय सभ्यता पूरे विश्व को एक परिवार मानती है

भारतीय सभ्यता पूरे विश्व को एक परिवार मानती है। इस महामारी ने कई लोगों को इस दर्शन के मौलिक सत्य का एहसास कराया है। इसलिए कोरोना टीकाकरण के लिए हमारे प्रौद्योगिकी मंच कोविन को एक खुला सोर्स बनाने की कोशिश की जा रही है।

डिजिटल मंच कोविन को अपनाने में 50 देशों ने दिखाई रुचि

बता दें कि कनाडा, मैक्सिको, नाइजीरिया, पनामा और उगांडा सहित करीब 50 देशों ने टीकाकरण अभियान के लिए डिजिटल मंच कोविन को अपनाने में रुचि दिखाई है। यह जानकारी हाल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के सीईओ डॉ. आर एस शर्मा ने दी थी। उन्होंने कहा था कि भारत सॉफ्टवेयर को निःशुल्क साझा करने के लिए तैयार है।

भागवत के बयान पर प्रतिक्रिया

ओवैसी बोले- यह नफरत हिंदुत्व की देन, दिग्विजय ने भी पूछा यह सवाल

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा था कि सभी भारतीयों का डीएनए एक है, चाहे वे किसी भी धर्म के हों। उन्होंने लिंचिंग को लेकर कहा कि इसमें शामिल लोग हिंदुत्व के खिलाफ हैं और लोकतंत्र में हिंदुओं या मुसलमानों का प्रभुत्व नहीं हो सकता है। इस बयान को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने आरएसएस प्रमुख पर निशाना साधा। ओवैसी कहा कि कायरता, हिंसा और कत्ल करना गोडसे की हिंदुत्व वाली सोच का ही हिस्सा है। वहीं दिग्विजय सिंह ने पूछा कि क्या यह शिक्षा आप मोदी-शाह और भाजपा के मुख्यमंत्री को भी देंगे?

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सिलसिलेवार ट्वीट कर मोहन भागवत को घेरा। ओवैसी ने ट्वीट में लिखा, आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि लिंचिंग करने वाले हिंदुत्व विरोधी। इन अपराधियों को गाय और भैंस में फर्क नहीं पता होगा, लेकिन कत्ल करने के लिए जुनैद, अखलाक, पहलू, रकबर, अलीमुद्दीन के नाम ही काफी थे। ये नफरत हिंदुत्व की देन है, इन मुजरिमों को हिंदुत्ववादी सरकार की पुश्त पनाही हासिल है।

भाजपा पर भी साधा निशाना

ओवैसी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री के हाथों अलीमुद्दीन के कातिलों की गुलपोशी हो जाती है, अखलाक के हत्यारे की लाश पर तिरंगा लगाया जाता है, आसिफ को मारने वालों के समर्थन में महापंचायत बुलाई जाती है, जहां भाजपा का प्रवक्ता पूछता है कि क्या हम मर्डर भी नहीं कर सकते?

कमल नाथ ने की नेमावर हत्याकांड की सीबीआइ से जांच कराने की मांग

नेमावर, देवास

पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ सोमवार को नेमावर पहुंचे, उन्होंने यहां घटित नृशंस हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मुलाकात कर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की। इतना ही नहीं कमल नाथ ने कहा कि पुलिस पर अत्यधिक दबाव है। मैं चाहता हूं कि हत्याकांड की जांच सीबीआइ से हो और एक गैर राजनीतिक नागरिक समिति बने जो पूरे मामले को देखे। उन्होंने पीड़ित परिवार को कांग्रेस पार्टी की तरफ से पांच लाख देने की बात भी कही है। कमल नाथ ने पीड़ित परिवार से चर्चा कर इस हत्याकांड व घटना की पूरी विस्तृत जानकारी ली। पीड़ित परिवार ने उन्हें बताया कि किस प्रकार पुलिस ने इस हत्याकांड पर शुरुआत में लापरवाही की, आरोपी खुलेआम घूमते रहे, उन्हें पकड़ा तक नहीं गया। आरोपियों से पूछताछ तक नहीं की गई। उनकी रिपोर्ट लिखने में आनाकानी की गई। अपराधी को संरक्षण मिलता रहा। वहीं कमल नाथ ने पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया कि वे चिंता ना करें। दुख की इस घड़ी में वे और पूरी कांग्रेस साथ खड़ी है। उन्हें न्याय दिलाने में हरसंभव मदद करेंगे। पूर्व सीएम ने कहा कि जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलेगा, हम चैन से नहीं बैठेंगे। इस पूरे मामले की सीबीआइ जांच होना चाहिए ताकि आरोपियों को मिले राजनीतिक संरक्षण का खुलासा हो सके, किस प्रकार की लापरवाही इस जघन्य हत्याकांड को लेकर बरती गई। सच सामने आ सके और पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। इस दौरान इनके साथ नकुल नाथ, अरुण यादव, सज्जन वर्मा, कांतिलाल भूरिया, जीतू पटवारी, विक्रांत भूरिया व अन्य नेतागण उपस्थित थे। वहीं मामले में शनिवार को मुख्य आरोपित सुरेंद्र सहित तीन को देवास कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से सुरेंद्र और एक अन्य को जेल भेज दिया गया वहीं आरोपित राकेश और सुरेंद्र के भाई वीरेंद्र को सोमवार शाम चार बजे तक पुलिस रिमांड पर सौंपा गया था। दोनों आरोपितों को आज कोर्ट में पेश किया जाएगा।

हत्याकांड के बाद वीरेंद्र ही रूपाली की स्कूटी को लेकर हरदा के पास अपने मामा के यहां छुपाने के लिए लेकर गया था। मामले में वीरेंद्र से पूछताछ के लिए पुलिस ने रिमांड मांगा था।

भाजपा के साथ वापसी की अटकलों पर संजय राउत का बड़ा बयान

भारत-पाक नहीं आमिर-किरण राव जैसा है रिश्ता

मुंबई।

महाराष्ट्र में शिवसेना और भाजपा के एक साथ आने की अटकलों को लेकर शिवसेना नेता संजय राउत ने बड़ा बयान देते हुए कहा, हम भारत-पाकिस्तान नहीं है। अभिनेता आमिर खान और किरण राव के रिश्ते को देखिए, यह उस तरह का रिश्ता है। भले ही हमारे (शिवसेना-बीजेपी) के राजनीतिक रास्ते अलग हैं. लेकिन दोस्ती हमेशा बरकरार रहेगी।

गौरतलब है कि आमिर खान और किरण राव ने हाल ही में तलाक लेने की घोषणा की है। इससे पूर्व भाजपा नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी कहा था कि भाजपा और शिवसेना में वैचारिक मतभेद भले ही हों, लेकिन वो दोनों एक-दूसरे के दुश्मन नहीं हैं। ऐसे में कयास लगाये जा रहे हैं कि दोनों पार्टियां क्या फिर से एक साथ आने वाली हैं?

बता दें कि देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को अपने एक बयान में कहा था कि उनकी पार्टी भाजपा और पूर्व सहयोगी शिवसेना आपस में दुश्मन नहीं हैं हालांकि उनके बीच कुछ मुद्दों को लेकर मतभेद जरूर है। फडणवीस ने ये भी कहा था कि राजनीति में कोई किंतु-परंतु नहीं होता है। यह सवाल करने पर कि क्या दो पूर्व सहयोगियों के फिर से एक साथ आने की संभावना है, फडणवीस का जवाब था स्थिति के आधार पर सही फैसला लिया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आगे कहा, हमारे मित्र (शिवसेना) ने हमारे साथ 2019 का विधानसभा चुनाव लड़ा था। लेकिन चुनाव के बाद शिवसेना उन्हीं लोगों से हाथ मिला लिया, जिनके खिलाफ हमने चुनाव लड़ा था।

एडीजी जीपी सिंह के ठिकानों से मिले दस्तावेजों की जांच शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस के वरिष्ठ आईपीएस और एडीजी जीपी सिंह के 15 ठिकानों पर जांच पूरी होने के बाद एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) और आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी है। जीपी सिंह के सीए के पास से तीन हजार से ज्यादा फाइल जब्त की गई है। इन फाइलों की पड़ताल की जा रही है। अब तक की जांच में दस करोड़ की अघोषित आय की पुष्टि हुई है। बताया जा रहा है कि राज्य सरकार की ओर से जीपी सिंह को निलंबित करने की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। जीपी सिंह के ठिकानों पर छापे की कार्रवाई के बाद कई दागी आईपीएस अधिकारी सकते में हैं। प्रदेश में पहली बार किसी आईपीएस पर एसीबी ने छापे की कार्रवाई की है।

दिल्ली का नामी लाजपत नगर मार्केट अनिश्चितकाल के लिए बंद

नई दिल्ली।

कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर तय किए नियमों का उल्लंघन करना लोगों के साथ अब कारोबारियों की मुश्किलें भी बढ़ा रहा है। ताजा मामले में कोरोना के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन पर दिल्ली के नामी लाजपत नगर मार्केट को अगले आदेश तक के लिए बंद तक दिया गया है। डीएम के आदेश पर यह आदेश लागू किया गया है।

उधर, दिल्ली के यमुनापार के बाजारों में भी कोरोना नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले लोगों पर प्रशासन की गाज गिरनी शुरू हो गई है। प्रशासन नियमों का उल्लंघन करने वालों से अब सख्ती से निपट रहा है। पिछले छह दिनों के अंदर प्रशासन 16 से अधिक दुकानों व दो ढाबों को सील कर चुका है। प्रशासन की टीमें मार्केट में घूम-घूमकर तलाश कर रही हैं, कौन-सी दुकानों पर ज्यादा नियमों का उल्लंघन हो रहा है। प्रशासन को गीता कालोनी में सबसे ज्यादा उल्लंघन खाने-पीने की दुकानों पर मिला, प्रशासन ने बिना देर किए यहां चार दुकानों को सील कर दिया। गांधी नगर मार्केट में एक साथ 12 दुकानों को सील कर दिया गया। 29 जून की रात को प्रशासन ने लक्ष्मी नगर मार्केट को पांच दिनों के लिए बंद कर दिया था।

संक्षिप्त समाचार

पीएचई विभाग से राजकुमार राय एंव गिरिबर की सेवानिवृत्ति होने पर पीएचई सहायक यंत्री केएम गुप्ता द्वारा फूल माला से स्वागत किया

अशोक नगर। ईसागढ़ विकास खण्ड पीएचई विभाग में सेवानिवृत्ति होने वाले व्यक्ति की विदाई का कार्यक्रम आयोजित मुख्य अतिथि सहायक यंत्री केएम गुप्ता ने फूल माला मिठाई खिला कर राजकुमार राय एवं गिरिबर को शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम में पीएचई विभाग के समस्त स्टाफ एवं अशोकनगर जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने उपस्थित देकर कार्यक्रम सफल बनाया उपस्थित भार्गव उपयंत्री, सुमन उपयंत्री , राहुल, महेंद्र पुरोहित,चिमन लाल लखेर, रामकृष्ण शर्मा , वीरेन्द्र शर्मा राजकुमार यादव ठेकेदार , राज़ कुमार राय, सुधीर भानू बाबू लाल सुरेंद्र शर्मा , विनोद शर्मा , सत्येन्द्र तिवारी , रमेश राय ,पूरन रजक गिरबार सिंह , दूधनाथ , ओमप्रकाश अग्रवाल वकिल शामिल रहे।

हाई सेकंडरी ऑपरेटरस द्वारा बेतन न मिलने को लेकर विधायक को दिया गया ज्ञापन

अशोक नगर। जिले के ईसागढ नगर में 2019 में शासकीय हाई स्कूल में कंप्यूटर ऑपरेटर की अस्थाई नियुक्ति की गई जिनकी बेतन आज दिनांक तक नही मिली जहाँ अक्षय रघुवंशी ने बताया ईशागढ ब्लॉक के शिक्षा विभाग में कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटर को पिछ्ले 10 माह से बेतन न मिलने को ले कर अशोक नगर विधायक श्री जजपाल सिंह जज्जी को ज्ञापन दिया गया। विधायक द्वारा सभी ऑपरेटरों को अस्वासन दिया की उनका मेहनताना उनको दिलबाया जाएगा इस मौके पे सौरव रघुवंशी,राहुल रघुवंशी,सचिन रघुवंशी, विवेक परिहार,रामकुमार रघुवंशी आदि ऑपरेटर उपस्थित रहे।

इन फीडरों पर आज रहेगा विद्युत प्रवाह बंद

शिवपुरी। आवश्यक रखरखाव का कार्य किए जाने हेतु आज 06 जुलाई को 11 के.व्ही.सोन चिरैया फीडर एवं 33 के.व्ही. भगोरा फीडर पर विद्युत प्रवाह बंद रहेगा। आज 06 जुलाई को 11 के.व्ही.सोनचिरैया फीडर प्रातः 09 बजे से दोपहर 01 बजे तक करौंदी कॉलोनी, द्वारकापुरी कॉलोनी, दर्पण कॉलोनी, ग्वालियर बायपास के आसपास का क्षेत्र, नमो नगर, नवग्रह मंदिर के आसपास क्षेत्र प्रभावित रहेंगे। इसी प्रकार 33 के.व्ही.भगोरा फीडर के बंद रहने से दोपहर 12 बजे से अपराह्न 3 बजे तक 33/11 के.व्ही.उपकेन्द्र भगोरा, पाठखेड़ा, बांसखेड़ी एवं बिलोकलां से जुड़े समस्त क्षेत्र एवं एच.टी.उपभोक्ता प्रभावित रहेंगे।

तेज रफ्तार बुलेरो ने बाइक को मारी टक्कर SI की मौत युवती घायल

शिवपुरी। करैरा में फोरलेन हाईवे पर बुलेरो कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार आईटीबीपी के एसआई की मौत हो गई है, जबकि युवती घायल है। आईटीबीपी शिवपुरी में पदस्थ एसआई गजाधर वर्मा उम्र 35 साल पुत्र रतन अहिरवार रविवार की दोपहर 2 बजे बाइक से संतोषी उम्र 30 साल पुत्री जमुनादास अहिरवार निवासी झांसी के साथ जा रहे थे। करैरा के आई लव यू तिराहे पर बोलेरो ने बाइक में टक्कर मार दी। घायल गजाधर और संतोषी को जिला अस्पताल शिवपुरी लाए। डॉक्टर ने गजाधर को मृत घोषित कर दिया।

निर्माण कार्य स्थल पर नहीं रहते मौजूद इंजीनियर प्रेमनारायण राठौर

जनपद पंचायत कार्यालय से नदारद रहते हैं अधिकारी

अतिरिक्त कार्यक्रम मनरेगा कार्यालय में लटकता दिखाई दिया ताला

शिवपुरी

राहुल जैन रुद्र। जनपद पंचायत बदरवास के अंतर्गत पंचायतों में जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है अधिकारी केवल कागजी खानापूर्ति और कमीशन के खेल में लिप्त है। अधिकारी कर्मचारी कार्यालय में नहीं मिलने से कार्य प्रभावित हो रहे हैं। जिस कारण पंचायतों के निर्माण कार्य में विलंब हो रहा है। ग्राम पंचायतों के सरपंच कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं परन्तु अधिकारी कार्यालय में नहीं मिल रहे हैं जिससे सरपंच प्रतिदिन जनपद पंचायत के चक्कर लगा रहे हैं। सहायक यंत्री जहां जिला मुख्यालय पर रहते हैं तो वहीं कई उपयंत्री अपने सेक्टर को न देखकर कागजी खानापूर्ति और कमीशन के खेल में लिप्त रहते हैं। जनपद कार्यालय में उपयंत्री अपनी बैठक और जरूरी काम के ही लिए कार्यालय में आते हैं। उपयंत्री एवं सहायक यंत्री की लापरवाही से सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक और पंचायत के निर्माण कार्य में विलंब हो रहा है। गांव का सरपंच इन अधिकारियों को कार्यालय में ढूंढते हुए प्रतिदिन देखे जा सकते हैं। जनपद पंचायत कार्यालय में कई उपयंत्री तो कई दिनों तक कार्यालय नहीं आते हैं। शासन द्वारा एक माह तक कोई भी कर्मचारी, संविदा कर्मचारी एक माह तक कार्यालय से लगातार अनुपस्थित रहता है तो उसकी सेवा समाप्त हो जाती है लेकिन जनपद पंचायत कार्यालय में ऐसे कई अधिकारी कर्मचारी हैं जो महीनों से कार्यालय में नदारद रहते हैं।और इंजीनियर नहीं रहते मौजूद बरत रहे लापरवाही इंजीनियर प्रेमनारायण राठौर जिस जिस पंचायत को देख रहे हैं उन सभी पंचायतों में इंजीनियर की बहुत लापरवाही है।इंजीनियर द्वारा पंचायतों को खुली छूट दि गई हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि इंजीनियर प्रेमनारायण राठौर भी निर्माण कार्य व शासकीय धनराशि की भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। निर्माण कार्य स्थल पर इंजीनियर मौजूद नहीं रहते हैं। जिससे तकनीकी प्रभाव निर्माण कार्य में पड़ रहा है चर्चा तो ये भी है कि सचिव व इंजीनियर फिफ्टी-फिफ्टी हिसाब किताब बनाकर निर्माण कार्य करवा रहे हैं।और सबसे बड़ी बात तो यह है कि आज जनपद सीईओ सुमन चक्क भी कार्यालय में मौजूद नहीं थी जिसके कारण कई ग्रामीण समेत गिन्दौरा उपसरपंच भी अपना इस्तीफा देने के लिए आए थे लेकिन जनपद सीईओ कार्यालय में मौजूद न होने के कारण इंतजार करके घर वापिस लौटना पड़ा और वहीं अतिरिक्त कार्यक्रम मनरेगा कार्यालय का तो आज ताला भी नहीं खुला और कई सरपंच सचिव अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा का इन्तजार करके अपनी ग्राम पंचायत को लौटते दिखाई दिए।

सिंध परियोजना का बालाजी धाम के पास हो रहा हजारो लीटर पानी बर्बाद

शिवपुरी। इसे दुर्भाग्य ही कहेंगे कि अब तक प्रशासन शहर भर में हो रही पानी की बर्बादी को रोक पाने में पूरी तरह से विफल साबित हुई है जबकि हर साल पानी मुहैया करवाने के मदद में नपा करो?ं रुपया खर्च कर रही है। आलम यह है कि हर रोज हजारों लीटर पीने का पानी पाइप लाइन के कारण बर्बाद हो रहा। इसका परिणाम ये होता है कि गर्मी का मौसम आते-आते लोगों को पानी की कटौती का सामना करना पड़ता है। ऐसा ही एक नजारा आज शहर के बालाजी धाम मंदिर के पास देखने को मिला जहाँ बालाजी धाम के पास सिंध परियोजना की पाइप लाइन टूटी होने के कारण यहाँ हर रोज हजारों लीटर पानी को प्रशासनिक अधिकारियो की लापरवाही के चलते बर्बाद होने दिया जाता है जिस पर प्रशासनिक अधिकारियों का कोई ध्यान नही जाता जिसके कारण शहर में पानी की सप्लाई सही ठंग से नही हो पाती और जनता पानी की समस्या को लेकर आय दिन परेशान नजर आती दिखाई दे रही है।

पत्थरों से मोर पर हमला कर गला दवाकर उतारा मौत के घाट

शिवपुरी। खबर जिले के डहरवारा क्षेत्र की है जहाँ एक युवक ने खेत मे नाच रही राष्ट्रीय पक्षी मोर पर पत्थरों से हमला कर पहले उसे घायल किया और फिर उसकी गर्दन दबा कर मौत के घाट उतार दिया। इसी दौरान कुछ ग्रामीण जो वहां से निकले जिन्होंने युवक का पीछा किया लेकिन वह भाग गया। ग्रामीण सन्नी सोनी ने बताया कि रोज की तरह आज ही वह सुबह की सैर पर निकले थे जहाँ उन्होंने देखा गांव का ही रहने वाला एक युवक विजय खरे खेत में नाच रहे मोर को पत्थरों से मार रहा है मोर घायल हो गया और विजय ने घायल मोर के पास जाकर उसकी गर्दन दवा दी जिससे उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने युवक को पकड़ने के लिए उसका पीछा किया लेकिन वह भाग गया जिस पर घटना की सूचना पुलिस व फॉरेस्ट टीम को दी गई लेकिन दो घंटे गुजर जाने के बाद फॉरेस्ट व पुलिस कर्मचारी मौके पर पहुंचे । ओर मृतक मोर को पी एम के लिए ले गए और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मध्यदेशीय अग्रवाल समाज के 23वें चरण के द्वितीय फेज वैक्सीनेशन में 157 को लगे कोरोना के टीके

शिवपुरी।

मध्यदेशीय अग्रवाल समाज शिवपुरी के द्वारा नियमित टीकाकरण शिविर के रूप में स्थानीय मध्यदेशीय अग्रवाल धर्मशाला परिसर में बीती 2 जून से कोरोना टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यहां आयोजित 23वें चरण के बारे में जानकारी देते हुए मध्यदेशीय अग्रवाल समाज के अध्यक्ष गौरव सिंघल ने बताया कि कोरोना टीकाकरण के 23वें चरण में 157 लोगों को आज द्वितीय फेज के तहत कोरोना टीकाकरण किया गया जिसमें समस्त टीकाकरण के लिए कोविडशील्ड वालों का टीकाकरण हुआ। मध्यदेशीय अग्रवाल समाज के अध्यक्ष गौरव सिंघल ने बताया कि शासन के द्वारा सोमवार को द्वितीय कोरोना डोज के रूप में 23वें चरण 157 लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया और इस तरह अब तक 6825 लोग कोरोना संक्रमण से अपना बचाव करते हुए मध्यदेशीय अग्रवाल धर्मशाला में अपना कोरोना वैक्सीनेशन करा चुके है। यहां समाज के पूर्व अध्यक्ष अजीत अग्रवाल ठेईया, सोनू गोयल, शिव कुमार धाकड़, नीतू धाकड़ मौजूद रहे जिन्होंने इस टीकाकरण के समय उपस्थिति दर्ज कराकर लोगों को कोरोना टीकाकरण के लिए प्रेरित करने का कार्य किया। वैक्सीनेशन के इस कार्य में एएनएम फूलवती धाकड़, रोशनी परमार, धर्मेन्द्र लोधी, कपिल कुशवाह, आकाश आदिवासी, बीएलओ हरीश कुमार कुशवाह व होमगार्ड से रविन्द्र नायर, इशान अली अपनी सेवाऐं जारी रहीं। शिविर को सफल बनाने वालों में मध्यदेशीय अग्रवाल धर्मशाला ट्रस्ट अध्यक्ष अजीत जैन के साथ समाज अध्यक्ष गौरव सिंघल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती निशा गुप्ता, उपाध्यक्ष अंकित गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उत्तम गोयल, महिला महामंत्री श्रीमती रेणु सिंघल, सह मंत्री श्रीमती रेणु अग्रवाल, सहमंत्री शुभम गर्ग मामा प्रचार मंत्री विकास गोयल आदि शामिल रहे।

किसान मोर्चा ने लगाए 40 से अधिक स्थानों पर पौधे मनोज शर्मा

अशोक नगर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा अशोकनगर के जिला महामंत्री मनोज शर्मा द्वारा कई गांव में वृक्षारोपण किया गया। भाजपा नेता मनोज शर्मा ने बताया कि जनसंघ के संस्थापक एवं पहली राष्टीय अध्यक्ष डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस से लेकर उनके जयंती तक भारतीय जनता पार्टी वृक्षारोपण एवं संगोष्ठी आयोजित कर रही है इसी क्रम में हमने भी किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं, नेताओं एवं सभी समाजसेवियों के साथ वृक्षारोपण कर संगोष्ठी करने का आयोजन करने का जिम्मा लिया है। भाजपा जिला अध्यक्ष उमेश रघुवंशी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के द्वारा अभी तक लगभग चालीस गांव में 600 से अधिक पौधों को रोपण किया गया है एवं यह सभी पौधे ऐसे स्थानों पर लगाए गए हैं जहां पर उनकी देखभाल हो सके, पानी मिल सके एवं यह पौधे वृक्ष के रूप में बड़े हो सके। भाजपा नेता मनोज शर्मा ने बताया कि मेरा मानना है कि आज के समय में वृक्ष ही हमें जीवन प्रदान करते हैं मैं स्वयं भी कोरोना काल में अस्पताल में उपचारित रहा और ऑक्सीजन भी मुझे लगी। वृक्षों की वजह से मुझे ऑक्सिजन मिल सकी तो हम वृक्षों की और इस प्रकृति के रिणीं हैं और हमारा दायित्व है कि हम अधिक से अधिक पौधे लगाकर उन्हें वृक्ष बनाएं । भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला महामंत्री मनोज शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं से, ग्राम वासियों से , समाजसेवियों से अपील की है कि वह अपने खेत पर ,मेड पर, बगीचे में, बालकनी में जहां भी संभव हो अधिक से अधिक पौधों का रोपण करे।

पोहरी से लापता हुई 10 वीं की छात्रा मिली रेडलाइट एरिया में, देह व्यापार के लिए की मारपीट

शिवपुरी। जिले के पोहरी कस्बे से 3 दिन पूर्व गायब हुई नाबालिग बच्ची की रेड लाइट एरिया में होने की सूचना रात्रि गश्त के दौरान स्छह्रक्क पोहरी निरंजन राजपूत को प्राप्त हुई। सूचना की तस्दीक हेतु महिला उपनिरीक्षक प्रियंका पराशर एवं देहात थाना बल को साथ लेकर संबंधित एरिया की सर्चिंग की गई तो अप्रहत ल?की दस्तयाब हुई। जिसने पूछताछ में बताया कि मैं कक्षा 10वीं में प?ती हूँ स्कूल जाने को लेकर मम्मी से झग?ा हो गया था और मैं ल?कर बस में बैठकर शिवपुरी बस स्टैंड आ गई। जहां पर मुझे प्रीति नाम की महिला मिली जिसने मुझसे बोला कि तुम हमारे घर चलो। हम तुम्हें अच्छे से रखेंगे और अच्छे कप? भी दिलवाएंगे। मैं उनके साथ उनके घर चली गई वहां एक दादी थी और गुंजन महिला मिली। वे मुझसे जबरदस्ती देह व्यापार करने की बोलने लगी और इसके बदले अच्छे पैसे देने की बात कही। मैंने मना किया तो मेरी मारपीट की और मुझे दिल्ली बेचने की योजना बनाने लगी। मुझे कहीं आने जाने नहीं दिया गया। उसके बाद पुलिस पहुंच गई। थाना पोहरी पुलिस ने नाबालिग बच्ची के बयान के आधार पर प्रीति, गुंजन और लौंगश्री बे?िया पर धारा 363, 323, 368, 376, 342, 506 एवं देह व्यापार अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार कर लिया है।

वैक्सीनेशन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

शिवपुरी।

पूरे प्रदेश में 21 जून योग दिवस के अवसर पर टीकाकरण महाअभियान का शुभारंभ किया गया। कोविड से सुरक्षा के लिए लोगों को वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित किया जा रहा है। दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में यदि वैक्सीनेशन को लेकर भ्रामक जानकारी है तो वहां अधिकारी कर्मचारी सहित जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय से जागरूकता के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे ही दूरदराज के क्षेत्रों में वैक्सीनेशन के प्रति जन जागरूकता के लिए जागरूकता रथ के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जाएगा। सोमवार को कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ ए एल शर्मा, डॉक्टर एन एस चौहान, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ संजय ऋषीश्वर सहित अन्य चिकित्सक भी उपस्थित थे। यह जागरूकता रथ विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों को वैक्सीनेशन के संबंध में जानकारी देगा।

तीसरी लहर से वेखबर बाजारों में भीड़ की स्थिति में शिवपुरी मप्र के पहले 10 शहरों में

शिवपुरी। मास्क अनिवार्य रूप से लगाने की दरकार,बिना मास्क की भीड़ तीसरी लहर को न्योता देने के समान मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा तीसरी लहर की संभावनाओ को देखते हुए आज एक बैठक लेकर प्रदेश वासियों को सावधान रहने को कहा है।इस मौके पर प्रस्तुत एक रिपोर्ट में बताया गया कि शिवपुरी उन प्रमुख 10 शहरों में शामिल है जंहा के बाजारों में चिंताजनक भीड़ हो रही है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि तीसरी लहर से बचने के लिए मास्क अनिवार्य रूप से लगाएं, रिपोर्ट के अनुसार यदि मास्क लगाकर रखें तो तीसरी लहर से बचा जा सकता है। रिपोर्ट में पार्कों में हो रही बिना मास्क भी? पर भी चिंता व्यक्त की गई साथ ही जिला कलेक्टरों को इस संबंध में निर्देश जारी करने को कहा गया।

शिवपुरी को जरूरत एक शव वाहन की,ग्रामीण बैंक समाज सेवा समिति के श्री चौहान ने समाजसेवियों से की सहयोग की अपील

शिवपुरी। ग्रामीण बैंक समाज सेवा समिति के वरिष्ठ सदस्य एस के एस चौहान ने विगत दिवस प्रेम विला में आयोजित कोरोना योद्धा सम्मान समारोह में उपस्थित समाजसेवियों से अपील की कि शिवपुरी को एक शव वाहन की जरूरत है। आप सभी अथवा कोई भी समाज सेवी इस दिशा में पहल कर शिवपुरी को इस आवश्यक जरूरत से नवाजे। इस संबंध में उनका कहना था कि लगातार देखने में आ रहा है कि जब शिवपुरी में किसी मरीज की मौत हो जाती है और उसे गंतव्य तक ले जाना होता है तो उसे अत्यंत महंगे दामों पर एंबुलेंस उपलब्ध हो पाती है। उनका कहना था कि वैसे ही तो ततसमय मृतक के परिजन परेशानी में होते हैं और ऐसे वक्त में उनसे निजी एंबुलेंस चालकों द्वारा बड़ी राशि वसूली जाती है। उनका कहना था शिवपुरी में समाजसेवियों की कोई कमी नहीं है, कई समाजसेवी मिलकर अथवा कोई अपनी संस्था के माध्यम से ऐसा कर शिवपुरी के ऐसे परिवारों को मदद कर सकता है जो उस समय परेशानी भोगते हैं। समाजसेवियों के बीच यह संदेश श्री चौहान ने प्रेम विला में श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्वास्थ्य सेवा मिशन द्वारा आयोजित कोरोना वारियर्स सम्मान समारोह में उपस्थित तमाम समाजसेवियों की मौजूदगी में कही।

हथियारों की नोक पर बदमाशों ने व्यापारी से की लूट

-ग्राहक बनकर पहुंचे बदमाश, आर्टिफिशियल ज्वैलरी देखी, फिर कट्टा तानकर नकदी लूटकर भागे

भिण्ड। जिले के मेंहगांव कस्बे में दो बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। आरोपी ग्राहक बनकर आर्टिफिशियल ज्वैलर्स के पास पहुंचे। पहले उन्होंने आर्टीफिशयल जेवर देखेए फिर कट्टा तान दिया और गुल्लक में रखे दस हजार रुपए लूट ले गए। झांसी मोहल्ला भिंड शहर निवासी दिनेश जाटव मेंहगांव कस्बे के सदर बाजार में आर्टीफिशियल ज्वैलर्स का व्यापार करता है। रविवार की रात करीब सात से आठ बजे के बीच वो दुकान पर बैठा था। इसी बीच दो बदमाश दुकान पर आए। पहले उन्होंने कुछ आर्टिफिशियल आभूषण खरीदने की बात कही। इसके बाद उन्होंने कट्टा तान दिया। व्यापारी ने पुलिस को बताया कि बदमाशों के हाथ में कट्टा देखकर वो घबरा गया। इस दौरान बदमाशों ने व्यापारी की गुल्लक में रखे दस हजार रुपए की लूट की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने पूरे मामले की पडताल की और आरोपी देवराज बौहरे और एक अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। बताया जाता है कि पुलिस ने आरोपी देवराज को दबोच लिया। जबकि अन्य दूसरा साथी पुलिस की गिरफ्त में आने से पहले भाग गया।

न्यायालयीन कर्मचारीगणों एवं उनके परिजनो को वैक्सीन का द्वितीय डोज लगाया गया

भिण्ड। अध्यक्ष/प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीष भिण्ड अक्षय कुमार द्विवेदी के निर्देषन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड के ए0डी0आर0 भवन में जिला चिकित्सालय भिण्ड के सहयोग से कोरोना महामारी से बचाव हेतु कोविड-19 टीकाकरण का आयोजन किया गया। उपरोक्त टीकाकरण कार्यक्रम में भिण्ड के अभिभाषकगण, न्यायालयीन कर्मचारीगण, उनके परिवारजन एवं आमजन द्वारा कोविड-19 से बचाव हेतु वैक्सीनेषन का द्वितीय डोज लगवाया गया। उक्त कोविड-19 टीकाकरण में कुल 50 लोगों का वैक्सीनेषन किया गया।

सिंध नदी के खैरा-श्यामपुरा की खदानों पर प्रशासनिक अफसरों ने दी दबिश

जगह-जगह लगे थे रेत के ढेर, मौके पर मिली दो पनडुब्बियों को कराया नष्ट

रेत खदान पर अफसरों के पहुंचने से पहले भागे रेत माफिया, पुलिस ने सिर्फ पकडी दो पनडुब्बी

भिण्ड। जिला प्रशासन ने बारिश के सीजन पर रेत उत्खनन पर रोक भले ही लगा दी है। परंतु रेत माफिया, प्रशासन के आदेश को ताक पर रखे हुए है। बीते रोज अफसरों को सूचना मिली कि सिंध नदी के खैरा और श्यामपुरा खदान पर रेत का उत्खनन चल रहा है। यह सूचना सोमवार की सुबह करीब 11 बजे प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। यहां मौके पर दो पनडुब्बी मिली। इसके अलावा जगह-जगह रेत के ढेर लगे थे। बीते 30 जून को कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस द्वारा एनजीटी की गाइड लाइन का पालन कराते हुए रेत को नदियों से निकलाने जाने पर रोक लगाई है। यह रोक तीन माह के लिए लगाई गई है। भिंड मुख्यालय से करीब 40 किमी दूर उमरी व रौन थाना क्षेत्र के बीच में रेत की खदानें चल रही थी। रेत माफिया अब चोरी चुपके रात के समय रेत का उत्खनन कर रहे है और दिन में गायब हो जाते हैं। खदानों से चोरी-छुपके रेत निकाला जा रहा है जब प्रशासनिक टीम को लगी तो वो भिंड एसडीएम, मेंहगांव एसडीएम, भिंड एसडीओपी व दोनों थानों के पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इस मौके पर जिला खनिज अफसर आरपी भदकारिया मौजूद रहे। सोमवार की सुबह जब मौके पर टीम पहुंची। प्रशासन की टीम को रास्ते में ट्रैक्टर-ट्रॉली के निशान मिले। रेत खदान पर खैर व श्यामपुरा पर पनडुब्बी 2 रखी मिली। इसके अलावा जगह-जगह रेत के ढेर मिले। प्रशासनिक अफसरों ने पनडुब्बी जब्त की। जिला खनिज अफसर भदकारिया के मुताबिक दोनों पनडुब्बियों को नष्ट कराया दिया गया है। ग्रामीणों से जब प्रशासनिक अफसरों जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि रात के समय रेत का उत्खनन होता है और वाहनों से रेत को दूसरी जगह बीहड में डंप करते हैं। बीते रोज उत्खनन पर रोक लगाए जाने के बाद भी रेत का डंप होना बंद नहीं हुआ है। रात के समय इन पनडुब्बियों को चलाई जाती हैं। इस तरह से सिंध नदी का सीना चीरकर रेत को निकाला जा रहा है। प्रशासनिक अफसरों ने मौके पर मिली पनडुब्बियों पर हथौडा चलवाया। इन्हें मौके पर हथौडा से नष्ट कराया। हालांकि इससे पहले प्रशासनिक अफसर पनडुब्बी में आग लगाकर नष्ट करते आए है। हथौडे से नष्ट कराए जाने के लिए काफी मशक्कत करनी पडी।

सैनिक स्कूल के लिए कलेक्टर ने मालनपुर में देखी जमीन

सैनिक स्कूल के संचालन हेतु अस्थाई स्कूल भवन एवं छात्रावास का किया निरीक्षण

भिण्ड। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सोमवार को मालनपुर में सैनिक स्कूल के लिए जमीन को देखा। इसके साथ ही उन्होंने सैनिक स्कूल संचालन हेतु अस्थाई स्कूलो के भवनो व छात्रावास का निरीक्षण किया। इस अवसर पर एसडीएम गोहद सुभम शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी हरिभुवन सिंह तोमर के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने मालनपुर स्थित सैनिक स्कूल के लिए जमीन को देखा और उन्होंने एसडीएम गोहद को जमीन का सीमांकन कराने व स्थाई पट्टे के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सैनिक स्कूल संचालन के लिए अस्थाई तौर पर शाउमावि मालनपुर, शामावि सर्वोदय गोहद एवं शा.मॉडल उमावि गोहद के भवनों का अवलोकन किया और व्यवस्थाओं को देखा। साथ ही उनहोंने सैनिक स्कूल में पढने वाले बालको एवं कन्या तथा शिक्षको को ठहरने के लिए शासकीय सीनियर उत्कृष्ट बालक छात्रावास गोहद का भी अवलोकन किया। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी हरिभुवन सिंह तोमर को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर की नई पहल राजस्व विभाग की सीएम हेल्पलाइन अंतर्गत दर्ज शिकायतों में स्वयं करते है हितग्राही से बात

भिण्ड। कलेक्टर डॉ सतीष कुमार एस की अध्यक्षता में आज 05 जुलाई को अनुविभाग भिण्ड की ग्रामीण, शहरी, फूप, पीपरी एवं उमरी राजस्व वृत की लंबित शिकायतों की समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ सतीष कुमार एस ने फूप, पीपरी एवं उमरी की 10-10, भिण्ड नगर की 20 सीएम हेल्पलाइन शिकायतों में संबंधित नायब तहसीलदार, पटवारी से बात की एवं शिकायतों में तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने शिकायतकर्ताओं से बात की एवं षिकायतकर्ताओं से बात कर उनका निराकरण किया तथा शिकायतकर्ता ने संतुष्टिपूर्वक शिकायतें बंद करवाई। चरथर पटवारी देवेश शर्मा के वर्चुअल कांफ्रेंस में समय पर उपस्थित नहीं होने पर लोक सेवा प्रबंधक को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। प्रत्येक मंगलवार लहार अनुविभाग, बुधवार को मेहगांव, गुरुवार को गोहद एवं शुक्रवार को अटेर अनुविभाग की समीक्षा की जाएगी।

वसुंधरा श्रंगार युवा मंडल के नेतृत्व में सातवीं नक्षत्र वाटिका की हुई स्थापना

धीरेंद्र पचौरी ने अपने पुत्र के जन्म दिवस पर नक्षत्र वाटिका के लिए व्यक्तिगत जगह समर्पित की

भिण्ड जिले से 35 किलोमीटर दूर रौन तहसील में स्थित अधियारी माता मंदिर के समीप वीरेंद्र पचौरी ने अपनी व्यक्तिगत जगह नक्षत्र वाटिका के लिए कि समर्पित उन्होंने अपने बालक नमन पचोरी के जन्म दिवस पर नक्षत्र वाटिका की स्थापना की जिसमें गायत्री परिवार के द्वारा सर्वप्रथम वेद मंत्र उच्चारण के साथ गायत्री परिवार के जिला समन्वयक सत्येंद्र सिंह राजावत यज्ञ के दौरान बताया किसी भी शुभ काम करने से पूर्व यज्ञ की परंपरा रही है यज्ञ के माध्यम से वातावरण की शुद्धि की जाती है हम सभी को शुभ कार्य के पूर्व और जन्म दिवस के अवसर पर यज्ञ पूजन अवश्य करना चाहिए एवं एक पौधा जरूर लगाना चाहिए वही सुरेंद्र सिंह चौहान, श्रीनिवास शर्मा एवं सत्यम सोनी गायत्री परिवार तहसील समन्वयक रविंद्र समाधिया एवं सह समन्वयक रविंद्र चौहान के द्वारा यज्ञ संपन्न कराया गया जिसके पश्चात विधिवत पौधों का पूजन एवं पौधों की स्थापना कराई गई कार्यक्रम में मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर एवं विशिष्ट अतिथि भरत सिंह भदोरिया उर्फ रिंकू विधायक प्रतिनिधि मेहगांव बेटी बचाओ अभियान के अंतर्गत कार्य कर रहे कैंप संगठन से तिलक सिंह भदोरिया बलभद्र सिकरवार पूर्व जिला महामंत्री अवधेश बघेल मंडल अध्यक्ष वसुंधरा श्रंगार युवा मंडल के पदाधिकारी धर्मवीर यादव राम नरेश वर्मा रविंद्र समाधिया आदि उपस्थित रहे।

वसुंधरा श्रंगार युवा मंडल के अध्यक्ष हरे कृष्ण शर्मा आजाद ने बताया नक्षत्र वाटिका में 27 नक्षत्र के पौधे दिशा अनुसार लगाये गये जिस का नक्शा मंडल सचिव राघव उपाध्याय एवं दीपक मिश्रा ने दिया वही 27 नक्षत्र के अलावा 100 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राहुल त्यागी, विजय त्यागी, दीपक जादौन, रामू त्यागी, रविंद्र चौहान, कल्लू कुशवाहा, नरेश त्यागी आदि का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ

नेशनल लोक अदालत की तैयारियों हेतु गोहद में बैठक सम्पन्न

भिण्ड। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देषानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीष/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय भिण्ड अक्षय कुमार द्विवेदी के मार्गदर्षन अनुसार अपर जिला न्यायाधीष/ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड सुनील दण्डौतिया की अध्यक्षता में तहसील विधिक सेवा समिति गोहद में 10 जुलाई को आयोजित होने वाली आगामी नेषनल लोक अदालत की सफलता के संदर्भ में अभिभाषकगण के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया।

उक्त बैठक में नेषनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु अभिभाषक गण से विस्तृत रूप से चर्चा कर उनसे नेषनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु सहयोग प्रदान किये जाने का आव्हान किया गया। इसी के साथ तहसील विधिक सेवा समिति गोहद में मध्यस्थता जागरूकता षिविर का भी आयोजन किया गया जिसमें मध्यस्थता के लाभों तथा मध्यस्थता के माध्यम से प्रकरणों के अधिक से अधिक निपटारे के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर अपर जिला न्यायाधीष गोहद दीपराज कवड़े, रविन्द्र कुमार शिल्पी, सुरीना शर्मा एवं मोहन डावर न्यायिक मजिस्टेज्ट गोहद एवं अभिभाषक संघ के पदाधिकारी अवध बघेल सहित अन्य बिहारी पाराषर, गब्बर सिंह गुर्जर, भगवान सिंह अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

भाजपा किसान मोर्चा वर्चुअल मीटिंग में सांसद ने किसान मोर्चा के पदाधिकारियों एवं ग्रामीण क्षेत्र के किसानों को किया संबोधित

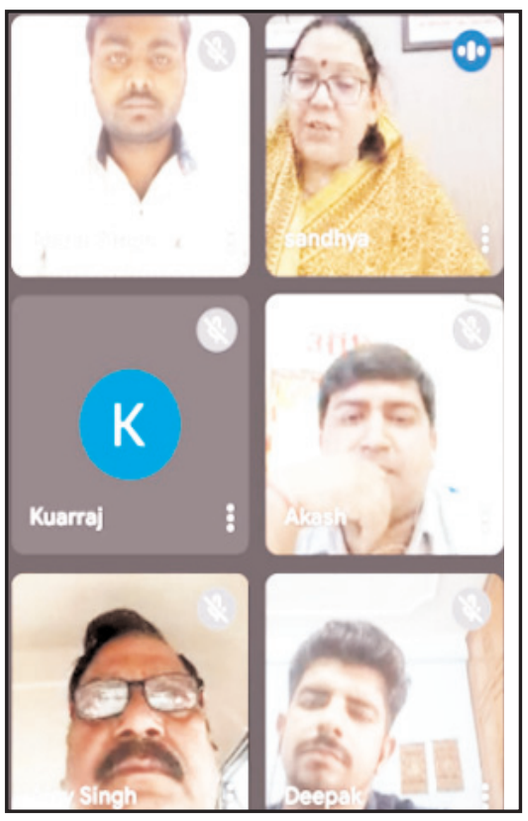

भिण्ड। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भिंड दतिया लोकसभा सांसद संध्या राय ने कोविड.19 से बचाव कार्य के लिए चलाए जा रहे वैक्सीन मां अभियान एवं पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की उपलब्धियां विषय पर वर्चुअल के माध्यम से भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारियों एवं ग्रामीण क्षेत्र के किसानों कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने नए कृषि कानून के माध्यम से विकास की दिशा में आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम किया है जिसमें देश के लाखों किसानों को फायदा हुआ है और भारत सरकार की मंशा अनुसार कृषि को फायदे का धंधा बनाकर कई योजनाओं के साथ उन्हें आगे बढ़ाने का काम किया पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार किसान हितैषी सरकार है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं लोक सभा सांसद श्रीमती संध्या राय ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली 7 वर्ष की कृषि के क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों पर संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई के नेतृत्व वाली सरकार ने भी कृषि क्षेत्र में किसानों को अनेकों योजनाओं को संचालित किया आज जो योजनाएं देश के किसानों के लिए वरदान के रूप में साबित हो रही उन्होंने कहा कि अटल जी की सरकार ने राष्ट्रीय फसल बीमा योजना प्रधानमंत्री आपदा फसल बीमा योजना किसान आयोग का गठन किसानों के सिंचाई के लिए नदी जोड़ योजना किसान क्रेडिट कार्ड प्रधानमंत्री सड़क परियोजना के माध्यम से किसानों को विकास की दिशा में कार्य किया था 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी जिन्होंने किसानों के हित में अनेकों योजनाएं बनाकर कृषि के क्षेत्र में किसानों को राहत देने का काम किया उन्होंने देश के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 6000 सीधे खातों में डालने की योजना बनाई खाद बीज सही समय पर किसानों को मुहैया हो रहा है इससे पूर्व केंद्र में यूपीए कि कांग्रेस सरकार थी किसानों को खाद मुहैया नहीं हो रहा था मोदी जी ने यूरिया की समस्या ना हो इसके लिए किसानों को सस्ते दामों पर खाद उपलब्ध कराने की योजना बनाई थी शिवराज सरकार ने प्रदेश के किसानों का गेहूं एक करोड़ 2900000 टर्न खरीद कर रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने कहा पीएम नरेंद्र मोदी एवं भाजपा राज्यों की सरकारें पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों पर कृषि के क्षेत्र में जो उनका विचार भाव था वही संघ क्लब लेकर किसानों के साथ खड़ी है आज विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया जा रहा है।

कोरोना वायरस से मुक्ति के लिए किया शिवजी का अभिषेक

भिण्ड।

कोरोना वायरस से विश्व के सभी जीवों को बचाने के लिए मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अटेर के मनेपुरा गांव निवासी अरुण कटारे ने सपरिवार सिध्देश्वर शिवमंदिर में सोमवार को रुद्राभिषेक किया। श्री कटारे ने कहा कि जिस तरह समुद्र मंथन में निकले विष का पान कर महाकाल ने जीवों की रक्षा की थी वैसे ही महादेव सिध्देश्वर विश्व कल्याण के लिए विषैले कोरोना वायरस का अंत करेंगे।

पति से परेशान महिला थाने में रिपोर्ट लिखाने पहुंची तो नहीं हुई सुनवाई, फिर आत्महत्या करने गौरी में लगाई छलांग

-शराब पीकर रोजाना घर में पति करता है गृह क्लेश, पुलिस बोले हम क्यों करें

-तालाब किनारे खडे युवक ने महिला को कूदकर बचाया

भिण्ड। रोज-रोज की मारपीट से तंग आकर एक पत्नी अपने पति की शिकायत करने देहात थाना पहुंची। लेकिन यहां पुलिस ने भी उसकी एक नहीं सुनी। बल्कि यह कहकर भगा दिया कि पति शराबी है तो वह क्या करे। इसके बाद महिला ने जान देने के लिए गौरी सरोवर में छलांग लगा दी। हालांकि पास खड़े एक युवक ने उसे देख लिया और उसने भी तालाब में कूदकर महिला को बचा लिया। यहां पर सवाल यह खड़ा हो गया कि जनता की सेवा के लिए बनाये गये थानों में लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है उल्टा शिकायत करने वालों को दुत्कार कर भगा दिया जाता है यह मामला केवल देहात थाने का नहीं ऐसे जिलेभर में हर थाने में देखने को मिल जायेगा, अगर लोगों की सुनवाई पुलिस नहीं करेगी तो न्याय पाने के लिए फरियादी कहां जायेगे। मामलों में तुरंत कार्रवाई न होने के चलते गुंडे-बदमाश, चोर, लूटरे आदि के हौंसले बुलंद हो जाते है जो सरे राह वारदात को खुलकर अंजाम देते हैं।

मानसून का दगा

जब कहा जाता है कि धरती लगातार गर्म हो रही है और इससे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है, तब इस बात को अधिकांश लोग गंभीरता से नहीं लेते। सारी जिम्मेदारी कुछ लोगों पर मढ़ दी जाती है। मगर अब ग्लोबल वार्मिंग अपना प्रभाव दिखाने लगी है। दुनिया का तापमान तेजी से गर्म हो रहा है। मानसून के सीजन में भारत में लू चल रही है तो अमेरिका-कनाडा जैसे देशों में गर्मी ने रिकार्ड तोड़ दिया है। गर्मी से लोगों की जान जा रही है। सड़कों पर पानी के फव्वारे चल रहे हैं। आखिर क्यों, यह सब करने की जरूरत क्यों पड़ रही है। इसके लिए प्रकृति जिम्मेदार है या पर्यावरण के साथ हम जो खिलवाड़ कर रहे हैं, वह। उत्तर भारत के अधिकतर क्षेत्रों में गुरुवार को लोगों को %लू' के कहर का सामना करना पड़ा। भीषण गर्मी के कारण कई राज्यों में बिजली की मांग भी बढ़ गई है। वहीं, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अगले दो दिन तक %लू' की स्थिति बनी रहने की संभावना है। इन स्थानों पर चिलचिलाती गर्मी से फिलहाल कोई राहत नहीं मिलने वाली है। राजधानी दिल्ली और उसके आस-पास के इलाकों में सात जुलाई से पहले मानसून की बारिश होने की कोई संभावना नहीं है। इसके बाद क्षेत्र में जुलाई के शुरुआती 15 दिनों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान व्यक्त किया गया है। पिछले कुछ दिनों में देश के उत्तरी मैदानी इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। दक्षिण-पश्चिम मानसून हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों, पश्चिमी राजस्थान और पंजाब को छोड़ देश के बाकी हिस्सों में पहुंच गया है। हिमालय पर्वतीय क्षेत्र में कई स्थानों पर असामान्य रूप से अधिक तापमान दर्ज किया जा रहा है। लद्दाख की नुब्रा घाटी के थोइस और हिमाचल प्रदेश के सोलन में तापमान क्रमश- 31 डिग्री सेल्सियस और 35.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। देश के सबसे ठंडे इलाकों में से एक द्रास में भी अधिकतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। द्रास में तापमान एक समय शून्य से 20 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चला जाता है। भीषण गर्मी के बीच पंजाब में प्रति दिन बिजली की मांग 14,000 मेगावाट से अधिक हो गई है, जिसके कारण सरकारी बिजली आपूर्तिकर्ता पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड को मजबूरन बिजली कटौती और उद्योगों पर पाबंदियां लगानी पड़ रही हैं। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, जून में 10 प्रतिशत अधिक बारिश होने के बावजूद कम से कम 202 जिलों में अब तक का सबसे कम मानसूनी बारिश हुई और 183 जिलों को कम बारिश के हालात का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में किसान चिंतित हैं, क्योंकि मानसून के आने में देरी से उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में फसलों की बुवाई और रोपाई, सिंचाई समय-निर्धारण और बिजली की जरूरतों जैसे कृषि कार्यों पर असर पडने की संभावना है। मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा, 19 जून तक हरियाणा, दिल्ली, पंजाब सहित उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के ज्यादातर हिस्सों में मानसून ने कवर किया। 19 जून के बाद से मानसून में कोई प्रगति नहीं देखी गई है। हालांकि, यह 26 जून से कमजोर पडने लगा है। जून में सामान्य से 10 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा बारिश तीन से 19 जून के बीच हुई।

धर्मांतरण: समस्या या साज़िश

डॉ नीलम महेंद्र

आस्था में परिवर्तन के साथ जिस धर्मांतरण को अंजाम दिया जाता है वो कहानी का अंत नहीं शुरुआत होती है। शुरुआत होती है एक सिलसिले की। एक सुनियोजित षड्यंत्र की जो शुरू तो होता है नाम बदलने के साथ लेकिन व्यक्तित्व और विचार भी बदल देता है। जब कोई आदित्य अब्दुल्ला बनता है या बनाया जाता है तो सिर्फ नाम ही नहीं खान पान और पहचान भी बदल जाती है। उपासना पद्धति ही नहीं बदलती उसके त्योहार और उसकी आस्था भी बदल जाती है। कुछ दिनों पहले उत्तर प्रदेश में लगभग एक हजार लोगों के धर्मांतरण का मामला सामने आया था। खबरों के अनुसार इन लोगों में मूक बधिर बच्चों से लेकर युवा और महिलाएं भी शामिल हैं। मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि धर्म बदलने वाले इन लोगों में ज्यादातर पढ़े लिखे युवा थे। सरकारी नौकरी करने वाले से लेकर बीटेक कर चुका शिक्षक और एमबीए पास युवक से लेकर सॉफ्टवेयर इंजीनियर, एमबीबीएस डॉक्टर तक शामिल हैं।

दिलचस्प बात यह है कि ये सब उस प्रदेश में हुआ जहां धर्मांतरण के खिलाफ 2020 में ही एक सख्त कानून लागू कर दिया गया था। लेकिन हमारे देश में धर्मांतरण की समस्या केवल एक प्रदेश तक सीमित नहीं है। झारखंड मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ केरल जैसे देश के कई राज्यों में धर्मांतरण के मामले आए दिन सामने आना एक साधारण बात है। सत्य तो यह है कि हमारे देश में धर्मांतरण की समस्या काफी पुरानी है। यही कारण है कि इस विषय में महात्मा गांधी कहते थे कि,÷ मैं विश्वास नहीं करता कि एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का धर्मांतरण करे। दूसरे के धर्म को कम करके आँकना मेरा प्रयास कभी नहीं होना चाहिए। मेरा मानना है कि मानवतावादी कार्य की आड़ में धर्म परिवर्तन रुग्ण मानसिकता का परिचायक है। दरसअल कभी मानवता के नाम पर तो कभी गरीबी और लाचारी का फायदा उठाकर, कभी बहला फुसलाकर तो कभी लव जिहाद के धोखे से हमारे देश में बड़ी तादाद में लोगों का धर्मांतरण कराया जाता रहा है। किंतु उत्तर प्रदेश के ताजा घटनाक्रम से इस विषय की संवेदनशीलता इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि अब तक अधिकतर गरीब मजलूम और कम पढ़े लिखे लोग ही धर्मांतरण का शिकार होते थे लेकिन इस बार धर्मांतरण करने वाले लोगों में पढ़े लिखे डॉक्टर इंजीनियर और एमबीए तक करे हुए नौजवान हैं। यहाँ कुछ कथित उदारवादी यह तर्क दे सकते हैं कि धर्म अथवा पंथ एक निजी मामला है और हर किसी को अपना धर्म चुनने का अधिकार है। इसलिए

धर्मांतरण पर आपत्ति करना व्यर्थ की राजनीति है। तो प्रश्न यह उठता है कि मूक और बधिर बच्चे भी क्या उनकी इस परिभाषा के दायरे में आते हैं? प्रश्न यह भी कि अगर कोई एक व्यक्ति अपना धर्म अथवा पंथ बदलता है तो वो उसका निजी मामला हो सकता है लेकिन जब लगभग एक हज़ार लोग धर्मांतरण करें तो भी क्या वो निजी मामला रह जाता है? एक व्यक्ति की आस्था बदलना उसका निजी मामला हो सकता है लेकिन एक हज़ार लोगों की आस्था में परिवर्तन निजी मामला कतई नहीं हो सकता।

क्योंकि आस्था में परिवर्तन के साथ जिस धर्मांतरण को अंजाम दिया जाता है वो कहानी का अंत नहीं शुरुआत होती है। शुरुआत होती है एक सिलसिले की। एक सुनियोजित षड्यंत्र की जो शुरू तो होता है नाम बदलने के साथ लेकिन व्यक्तित्व और विचार भी बदल देता है। जब कोई आदित्य अब्दुल्ला बनता है या बनाया जाता है तो सिर्फ नाम ही नहीं खान पान और पहचान भी बदल जाती है। उपासना पद्धति ही नहीं बदलती उसके त्योहार और उसकी आस्था भी बदल जाती है। अभी कुछ दिनों पहले ऐसा ही एक मामला मध्यप्रदेश में सामने आया था जब एक महिला की मृत्यु के बाद उसके बेटे ने हिंदू रीति रिवाज से उसका अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया था क्योंकि उसने धर्मांतरण कर लिया था। जाहिर है इस प्रकार की घटनाएं समाज पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। यही कारण है कि इस विषय में स्वामी विवेकानंद का कहना था कि एक हिंदू का धर्मांतरण केवल एक हिंदू का कम होना नहीं, बल्कि एक शत्रु का बढ़ना है। और शायद उनके इस कथन का उत्तरप्रदेश के इस मामले से बेहतर कोई और उदाहरण नहीं हो सकता। क्योंकि इस मामले को देखें तो घटना का मुख्य आरोपी उमर गौतम खुद धर्मांतरण से पुर्व श्याम प्रसाद सिंह गौतम था जिसने लगभग एक हज़ार लोगों के धर्मांतरण को अंजाम दिया। इस व्यक्ति का एक तथा कथित वीडियो सामने आया है जिसमें वो स्वीकार कर रहा है कि कैसे वो खुद धर्मांतरण करके श्याम प्रसाद सिंह गौतम से मौलाना उमर गौतम बना और कैसे उसने एक हज़ार लोगों का धर्मांतरण करके न जाने कितने ही सौरभ शर्मा को मोहम्मद सूफियान बनाया है।

इसे क्या कहा जाए कि भारत में धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र के नाम पर जिस धर्मांतरण को अंजाम दिया जा रहा है उसी धर्मांतरण को इस्लामी देशों में गैर कानूनी माना जाता है। यह जानना रोचक होगा कि इस्लामी कानून पालन करने वाले कई इस्लामी देशों जैसे सऊदी अरब, सूडान,सोमालिया जोर्डन,इजिप्ट में पंथ परिवर्तन गैर कानूनी है और इसके लिए सख्त सज़ा का प्रावधान है। मालदीव में तो अगर कोई मुस्लिम समुदाय का व्यक्ति अपना पंथ बदलता है तो उसकी नागरिकता ही समाप्त हो सकती है। कहने को भारत में भी धर्मांतरण रोकने के लिए कानून है जो गुजरात मध्यप्रदेश उत्तरप्रदेश उत्तराखंड झारखंड समेत देश के नौ राज्यों में लागू है। ओडिशा में तो यह 1967 से लागू है। लेकिन धर्मांतरण रोकने में यह कानून कितना कारगर है इस प्रकार की घटनाएं खुद इस बात की गवाही दे देती हैं। गवाही के साथ इस प्रकार की घटनाएं स्थिति की गंभीरता की ओर भी इशारा करती हैं। यह वाकई में चिंताजनक है कि स्वामी विवेकानंद और गाँधी जी जैसे व्यक्तित्व जिस विषय की गंभीरता को सालों पहले हमारे सामने ला चुके थे वो विषय आज पहले से भी अधिक गंभीर हो चुका है। स्पष्ट है कि कानून बनाना ही पर्याप्त नहीं है उसे कठोरता से लागू करना महत्वपूर्ण है। लेकिन जिस प्रकार हर सिक्के के दो पहलू होते हैं उसी प्रकार धर्मांतरण के भी दो पक्ष हैं। यह पक्ष तो हम सभी के सामने है कि किस प्रकार लोगों को बहला फुसलाकर हिंदू धर्म से उनका धर्मांतरण कराया जाता है। किंतु इसका दूसरा पक्ष यह है कि जिस हिंदू धर्म से लोगों का धर्मांतरण कराया जाता है वो हिंदू धर्म इस धरती का सबसे पुराना और सनातन धर्म है। उस सनातन धर्म के निशान विश्व के हर कोने में आज भी मौजूद हैं। रूस से लेकर रोम तक और अफ्रीका से लेकर इंडोनेशिया जहां आज विश्व की सर्वाधिक मुस्लिम आबादी है, तक के देशों के इतिहास में सनातन धर्म कभी उनकी संस्कृति का हिस्सा थी।

इससे बड़ी बात क्या होगी कि विश्व का सबसे बड़ा अंगकोर वट मंदिर भारत में नहीं अपितु कंबोडिया में 162.6 हेक्टेयर भूमि में स्थित है। और विश्व में दूसरा सबसे बड़ा मंदिर स्वामी नारायण अक्षरधाम यूएस में है। कहने का तात्पर्य यह है कि यह सनातन धर्म के प्रति विश्व भर के लोगों का एक नैसर्गिक आकर्षण है। यही कारण है कि विश्व के विभिन्न भागों से लोग शाँति की खोज में इसी सनातन धर्म की शरण में आते हैं। सनातन धर्म को धर्मांतरण का सहारा नहीं लेना पड़ता। स्टीव जॉब्स, सिल्वेस्टर स्टेलोन, मार्क जुकरबर्ग, जूलिया रॉबर्ट्स जैसे हज़ारों लोग अपनी उसी नाम और पहचान के साथ सनातन धर्म को अपना सकते हैं। इसके लिए उन्हें ना तो अपना नाम बदलना पड़ता है। तो समझा जा सकता है कि जिन पंथों को अपने अस्तित्व को बचाने के लिए धर्मांतरण का सहारा लेना पड़ रहा है वो असलियत में कितनी कमजोर नींव पर खड़े हैं।

इंद्री द्वार, झरोखा नाना

ओमप्रकाश श्रीवास्तव

शास्त्रों में संसार को माया कहा गया है। कई बार लगता है कि जिस को हम स्पर्श करते हैं, देखते हैं, गंध लेते हैं, सुनते हैं और चख सकते हैं वह यथार्थ है, माया कैसे हो सकता है। यह माया इस रूप में हैकि,इस संसार की प्रत्येक वस्तु निरंतर परिवर्तनशील है। जो दिख रहा है वह अगले ही क्षण में परिवर्तित हो जाएगा। जो हवा हमें स्पर्श कर रही है अगले ही क्षण उसकी गति, गंधऔरदिशा बदल जाएगी। जिस कली को हम देख रहे हैं अगले ही क्षण वह फूल बनने की दिशा में परिवर्तित हो जाएगी। सागर की लहरें निरंतर उठेंगीं परंतु उनका स्वरूप वह नहीं होगा जो एक क्षण पहले था। बादल गरजते हैं पर हर क्षण गर्जन की ध्वनि भिन्न हो जाती है। अनंत ग्रह, नक्षत्र और आकाश गंगां हर क्षण जन्म ले रहे हैं और नष्ट हो रहे हैं । यह भले ही हमें आँखों से न दिखे परंतु नीले आकाश में स्वरूप बदल रहे बादल, सूर्य और चंद्रमा तो स्पष्ट दिखते हैं। परिवर्तन अवश्यम्भावी है। निरंतर परिवर्तित संसार, वर्तमान का यथार्थ है जिसमें हम रह रहे हैं। इस परिवर्तन को अनुभव करना ही तो हमारा संसार का अनुभव है। प्रकृति ने हमें 5 अंग दिये हैं जिनके द्वारा संसार को महसूस किया जाता है । इन्हें ज्ञानेंद्रियॉ (सेंसुअल ऑर्गन) कहते हैं यह हैं ऑख, कान, नाक, जिह्वा, और त्वचा। ऑख के द्वारा हम संसार के विविध रूपों को देखते हैं। कान विभिन्न ध्वनियॉ सुनते हैं। नाक गंध की प्रतीति कराती है। जिह्वा तो रस अर्थात् स्वाद का केंद्र है और त्वचा से स्पर्श की अनुभूति होती है। इन पॉच के अलावा हमारे पास संसार को जानने का अन्य कोई साधन नहीं है। हम संसार का उतना ही अनुभव कर पाते हैं जितनी हमारी ज्ञानेन्द्रियों की क्षमता है।हम विभिन्न रंग देख पाते हैं परंतु पशुओं की ऑखों में रंग देखने की क्षमता नहीं है। इसलिए हमें जो दुनिया रंग-बिरंगी

दिखती है वही गाय के लिए सफेद-स्याह है। पराश्रव्य (अल्ट्रासोनिक) ध्वनियॉ चमगादड़ सुन सकते हैं उसे सुन पाना हमारे कानों की क्षमता से बाहर की बात है। इसलिए ध्वनि के माध्यम से संसार की समझ मनुष्यों और चमगादड़ों की पूरी तरह से भिन्न होगी। कुत्ते के सूँघने की क्षमता मनुष्य से बहुत ज्यादा है अत- गंध के माध्यम से संसार की समझ कुत्ते के लिए बिलकुल अलग होगी।

कल्पना करें कि गाय, चमगादड़, कुत्ते और मनुष्य को किसी अज्ञात ग्रह पर भेजकर उनसे पृथ्वी का वर्णन करने को कहा जाए तो उनका वर्णन एक-दूसरे के वर्णन से पूरी तरह से अलग होगा। वे अपनी बात को ही सत्य कहेंगे, इसे लेकर आपस में लड़ भी सकते हैं, जबकि वास्तविकता में वे एक ही संसार का वर्णन कर रहे होंगे। इन पॉच ज्ञानेन्द्रियों से जानकारी या डेटा हमारे मस्तिष्क में जाता है। वहॉ यह डेटा प्रोसेस होता है और अनुभव बनता है। फूल को देखने से उसका स्वरूप और सूँघने से आने वाली सुगंध मस्तिष्क में जानकारी के रूप में संग्रहित होती है। जब यह कई बार होता है तो अनुभव बनता है कि अमुक फूल को सूँघने पर अमुक सुगंध आएगी। तब सुगंध आने पर मस्तिष्क में उस फूल का चित्र बन जाता है और यदि फूल का चित्र दिखता है तो उसकी गंध की कल्पना हो जाती है। जब कुछ लिखा हुआ पढ़ते हैं तो अक्षरों का रूप मस्तिष्क में अंकित होकर उसका अर्थ बताता है। जीवन के समग्र अनुभव मिलकर बुद्धिमत्ता बनते हैं। प्रकृति ने केवल मनुष्य को यह क्षमता दी है कि वह अपनी ज्ञानेन्द्रियों का उपयोग नियंत्रित कर सकता है और मस्तिष्क में जाने वाले डेटा का चयन कर सकता है। मस्तिष्क में जैसा डेटा होगा उसी के अनुरूप संसार दिखाई देगा। ध्यान के दौरान योगी विचारों को नियंत्रित करता है दूसरे शब्दों में मस्तिष्क में डेटा की प्रोसेसिंग रोक देता

कहो तो कह दूँ - किसने कहा है कि साबुन और शेम्पू लगाओ और तली हुई चीजें खाओ

चैतन्य भट्ट

कोटक इंस्टीट्यूट सिक्यूरिटीज ने बाजार में एक सर्वे किया और बताया कि पिछले तीन महीनों में मंहगाई ने इस कदर स्पीड पकड़ी है कि रोजमर्रा के काम में आने वाली चीजों के दामों में बयालीस फीसदी की बढ़ोतरी हो गयी है द्य सर्वे में बताया गया कि साबुन शेम्पू चाय पत्ती वाशिंग पाउडर और खाने के तेल की कीमतों ने आसमान तक छलांग लगा दी है, सर्वे करने वाले ये तो बतला रहे है कि इन चीजों की कीमत में इतना इजाफा हो गया है लेकिन ये नहीं बतला रहे हैं कि इस मंहगाई से मुकाबले कैसे किया जाए, तो लाओ हम बतलाये देते हैं कि इनसे कैसे बचें और कैसी अपनी जेबे हलकी होने से बचाएं द्य सबसे पहले साबुन पर आते है तो साबुन से अपना शरीर रोज मल मल कर नहाने की जरूरत क्या हैं , पहले के ज़माने में लोगबाग काली मिट्टी से अपना शरीर साफ़ करते थे, आप भी आसपास के किसी खेत में चले जाओ एकाध तसला काली मिट्टी ले आओ छानकर बेहतरीन अपने और अपनी पूरी फेमिली के शरीर पर लगाओ और पानी डाल कर नहा लो, वैज्ञानिक भी कहते हैं काली मिट्टी लगाने से शरीर में होने वाले चर्म रोग नहीं हो पाते, साबुन में तो वैसे भी केमिकल मिले ही रहते है उनसे भी बच जाओगे और पैसा भी खर्चा नहीं होगा द्य अब आते है शेम्पू पर, कितने साल हुए है इन शेम्पूओं को इस दुनिया में आये, हुए बीस, पच्चीस साल उसके पहले क्या लोग बाग़ सर नहीं धोते थे, शेम्पू को मारो गोली और ले आओ रीठा पानी में उबालो और उस पानी से बाल धोलो देखना बाल ऐसे चमकदार और लम्बे होने लगेंगे कि लोग आपके बालों को देखकर ये ही गाना गायेंगें ये रेशमी जुल्फें ये शरबती आँखें इन्हें देखकर जी रहे हैं सभी इधर लड़कों के बाल देखकर लड़कियां गाने लगेंगी उड़ें जब जब जुल्फें तेरी, कंवरियों का दिल मचलेद्य सर्वे में वाशिंग पाउडर के दामों को भी लेकर बात कही गयी है तो वाशिंग पाउडर के चक्कर में पड़ते ही क्यों हो, सोडा बाजार में मिट्टी मोल मिलता है ले आओ चार छह किलो एक बार में और न केवल अपने बल्कि अडोसी पडोसी के भी कपडे धो डालो, ऐसे सफ़ेद हो जाएंगे ये कपडे कि दूध से सफेदी निरमा से आए वाला जिंगल बदल कर ये हो जाएगा दूध सी सफेदी सोडा से आये, सोडा सोडा सोडाद्य चाय भी पीने की जरूरत क्या है इससे तो एसिडिटी बढ़ती है एसिडिटी से अल्सर होता है इसलिए चाय से ही मुक्ति पा लो द्य अंत में आते है खाने के तेल पर तो देश का हर डॉक्टर चीख चीख कर लोगों को आगाह कर रहा है कि तली हुई चीजें नुकसान करती हैं जो ज्यादा तेल खाते हैं। उनका कोलोस्ट्रॉल बढ़ जाता है जब कोलोस्ट्रॉल बढ़ता है तो हार्ट में ब्लॉकेज बन जाते है जब हार्ट में ब्लॉकेज हो जाते हैं तो हार्ट अटेक भी आ सकता है समय पर पता चल गया तो ऐंजिओप्लास्टी करवाना पड़ सकती है और मामला गंभीर है तो बायपास सर्जरी की शरण में जाना पड़ता हैं जिसमें लाखों का खर्च आ सकता है,इसलिए तेल का यूज कम से कम करो, बेहतरीन उबली हुई चीजे खाओ और इन सब बीमारियों से बचोद्य ऐसे बहुत से उपाय हैं।

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं। राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है। इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

धर्मांतरण के खिलाफ कानून बनाना ही पर्याप्त नहीं है उसे कठोरता से लागू करना महत्वपूर्ण है

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश में आये दिन धर्मांतरण की नई नई घटनाए रोजाना सुनी जा रही है। दिलचस्प बात यह है कि ये सब उस प्रदेश में हुआ जहां धर्मांतरण के खिलाफ 2020 में ही एक सख्त कानून लागू कर दिया गया था। लेकिन हमारे देश में धर्मांतरण की समस्या केवल एक प्रदेश तक सीमित नहीं है। झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल जैसे देश के कई राज्यों में धर्मांतरण के मामले आए दिन सामने आना एक साधारण बात है। सत्य तो यह है कि हमारे देश में धर्मांतरण की समस्या काफी पुरानी है। यही कारण है कि इस विषय में महात्मा गांधी कहते थे कि, ÷मैं विश्वास नहीं करता कि एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का धर्मांतरण करे। दूसरे के धर्म को कम करके आँकना मेरा प्रयास कभी नहीं होना चाहिए। मेरा मानना है कि मानवतावादी कार्य की आड़ में धर्म परिवर्तन रुग्ण मानसिकता का परिचायक है। दरसअल कभी मानवता के नाम पर तो कभी गरीबी और लाचारी का फायदा उठाकर, कभी बहला फुसलाकर तो कभी लव जिहाद के धोखे से हमारे देश में बड़ी तादाद में लोगों का धर्मांतरण कराया जाता रहा है। किंतु उत्तर प्रदेश के ताजा घटनाक्रम से इस विषय की संवेदनशीलता इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि अब तक अधिकतर गरीब मजलूम और कम पढ़े लिखे लोग ही धर्मांतरण का शिकार होते थे लेकिन इस बार धर्मांतरण करने वाले लोगों में पढ़े लिखे डॉक्टर, इंजीनियर और एमबीए तक करे हुए नौजवान हैं।

यहाँ कुछ कथित उदारवादी यह तर्क दे सकते हैं कि धर्म अथवा पंथ एक निजी मामला है और हर किसी को अपना धर्म चुनने का अधिकार है। इसलिए धर्मांतरण पर आपत्ति करना व्यर्थ की राजनीति है। तो प्रश्न यह उठता है कि मूक और बधिर बच्चे भी क्या उनकी इस परिभाषा के दायरे में आते हैं? प्रश्न यह भी कि अगर कोई एक व्यक्ति अपना धर्म अथवा पंथ बदलता है तो वो उसका निजी मामला हो सकता है लेकिन जब लगभग एक हज़ार लोग धर्मांतरण करें तो भी क्या वो निजी मामला रह जाता है? एक व्यक्ति की आस्था बदलना उसका निजी मामला हो सकता है लेकिन एक हज़ार लोगों की आस्था में परिवर्तन निजी मामला कतई नहीं हो सकता। क्योंकि आस्था में परिवर्तन के साथ जिस धर्मांतरण को अंजाम दिया जाता है वो कहानी का अंत नहीं शुरुआत होती है। शुरुआत होती है एक सिलसिले की। एक सुनियोजित षड्यंत्र की जो शुरू तो होता है नाम बदलने के साथ लेकिन व्यक्तित्व और विचार भी बदल देता है। जब कोई आदित्य अब्दुल्ला बनता है या बनाया जाता है तो सिर्फ नाम ही नहीं खान-पान और पहचान भी

बदल जाती है। उपासना पद्धति ही नहीं बदलती उसके त्योहार और उसकी आस्था भी बदल जाती है।

अभी कुछ दिनों पहले ऐसा ही एक मामला मध्य प्रदेश में सामने आया था जब एक महिला की मृत्यु के बाद उसके बेटे ने हिंदू रीति रिवाज से उसका अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया था क्योंकि उसने धर्मांतरण कर लिया था। जाहिर है इस प्रकार की घटनाएं समाज पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। यही कारण है कि इस विषय में स्वामी विवेकानंद का कहना था कि एक हिंदू का धर्मांतरण केवल एक हिंदू का कम होना नहीं, बल्कि एक शत्रु का बढ़ना है। और शायद उनके इस कथन का उत्तर प्रदेश के इस मामले से बेहतर कोई और उदाहरण नहीं हो सकता। क्योंकि इस मामले को देखें तो घटना का मुख्य आरोपी उमर गौतम खुद धर्मांतरण से पुर्व श्याम प्रसाद सिंह गौतम था जिसने लगभग एक हज़ार लोगों के धर्मांतरण को अंजाम दिया। इस व्यक्ति का एक तथाकथित वीडियो सामने आया है जिसमें वो स्वीकार कर रहा है कि कैसे वो खुद धर्मांतरण करके श्याम प्रसाद सिंह गौतम से मौलाना उमर गौतम बना और कैसे उसने एक हज़ार लोगों का धर्मांतरण करके न जाने कितने ही सौरभ शर्मा को मोहम्मद सूफियान बनाया है। इसे क्या कहा जाए कि भारत में धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र के नाम पर जिस धर्मांतरण को अंजाम दिया जा रहा है उसी धर्मांतरण को इस्लामी देशों में गैर कानूनी माना जाता है।

यह जानना रोचक होगा कि इस्लामी कानून पालन करने वाले कई इस्लामी देशों जैसे सऊदी अरब, सूडान, सोमालिया, जोर्डन, इजिप्ट में पंथ परिवर्तन गैर कानूनी है और इसके लिए सख्त सज़ा का प्रावधान है। मालदीव में तो अगर कोई मुस्लिम समुदाय का व्यक्ति अपना पंथ बदलता है तो उसकी नागरिकता ही समाप्त हो सकती है।

कहने को भारत में भी धर्मांतरण रोकने के लिए कानून है जो गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड समेत देश के नौ राज्यों में लागू है। ओडिशा में तो यह 1967 से लागू है। लेकिन धर्मांतरण रोकने में यह कानून कितना कारगर है इस प्रकार की घटनाएं खुद इस बात की गवाही दे देती हैं। गवाही के साथ इस प्रकार की घटनाएं स्थिति की गंभीरता की ओर भी इशारा करती हैं। यह वाकई में चिंताजनक है कि स्वामी विवेकानंद और गाँधी जी जैसे व्यक्तित्व जिस विषय की गंभीरता को सालों पहले हमारे सामने ला चुके थे वो विषय आज पहले से भी अधिक गंभीर हो चुका है। स्पष्ट है कि कानून बनाना ही पर्याप्त नहीं है उसे कठोरता से लागू करना महत्वपूर्ण है।

आयशा जुल्का को था बिकीनी से परहेज, लेकिन इन बॉलिवुड ऐक्ट्रेसेस ने इंटीमेट सीन को बखूबी निभाया

आयशा जुल्का लंबे समय बाद एक बार फिर से चर्चा में हैं। दरअसल आयशा ने अपने इंटरव्यू में कुछ ऐसी बातें बताई हैं जिससे बॉलिवुड में बोल्ड सीन को लेकर एक बार फिर से चर्चा शुरू हो गई है। आयशा ने अपने इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने अपने करियर के दौरान एक शानदार फिल्म सिर्फ इसलिए छोड़ दी, क्योंकि उन्हों बोल्ड सीन देना था। बॉलिवुड में कई ऐक्ट्रेसेस ने जबरदस्त बोल्ड सीन दिए हैं। आयशा जुल्का ने बताया कि रामा नायडू की एक फिल्म च्प्रेम कैदीज 1991 में आई थी, जिसे मैंने इसलिए छोड़ी क्योंकि मुझे फिल्म में बिकीनी में पेश किया जाना था। हालांकि, बॉलिवुड में कई ऐसी ऐक्ट्रेसेस रही हैं जिन्होंने बोल्ड सीन की वजह से फिल्में छोड़ दीं और कई ऐसी भी हैं जिन्होंने बोल्ड सीन को बड़ी ही आसानी से कैमरे के सामने जी लिया।

आइए, बात करें उन बॉलिवुड ऐक्ट्रेसे की, जिन्होंने फिल्मों में जबरदस्त बोल्ड सीन के लिए केवल हामी ही नहीं भरी बल्कि बड़ी ही आसानी से कैमरे के सामने उन्होंने परफॉर्म भी किया। कई ऐक्ट्रेसेस ने ऑर्गैज्म जैसे सीन को भी पर्दे पर खूब जिया है। जब बात फिल्मों में बोल्ड सीन की आती है तो करीना कपूर, सोनम कपूर स्टारर च्वीरे दी वेडिंगज के उस सीन की चर्चा जरूर होती है, जिसमें स्वरा भास्कर ने ऑर्गैज़्म वाला बोल्ड सीन पर्दे पर निभाया था। वाइब्रेटर इस्तेमाल को लेकर इस सीन के लिए फिल्म में च्चरम सुखज शब्द का काफी इस्तेमाल किया गया और इसी बोल्ड सीन की वजह से फिल्म काफी विवादों में भी रही। इस फिल्म को लेकर किसी ने स्वरा की तारीफ की तो कई ऐसे थे जिन्होंने इसे चीप और वल्गर बताया। हालांकि, एक इंटरव्यू में स्वरा ने यह स्वीकार किया था कि वह इस सीन को करते वक्त नर्वस थीं और उन्होंने डायरेक्टर शशांक शेखर से कहा था कि इस सीन को ऐसे शूट करें कि वह फनी लगे। शूटआउट एट वडालाज में जॉन अब्राहम और कंगना रनौत के बीच काफी हॉट केमिस्ट्री नजर आई है। जॉन ने इससे पहले भी च्जिस्मज में इंटीमेट सीन को बड़ी ही ईमानदारी से फिल्माया था। अपनी बेहतरीन ऐक्टिंग के लिए जानी जानेवाली कंगना रनौत और ऐक्टर जॉन अब्राहम ने इस फिल्म के इंटीमेट सीन को बखूबी निभाया था। सनी लियोनी ने च्रागिनी एसएमएस 2ज में अपना बोल्ड अंदाज दिखाकर इंटीमेट सीन में जान फूंक दी थी। इसी फिल्म का गाना च्बेबी डॉलज काफी हिट हुआ था। कहते हैं कि इंटरनैशनल पॉर्न स्टार रह चुकीं सनी लियोनी बोल्ड सीन करने को लेकर डायरेक्टर भूषण पटेल से रिक्वेस्ट की थी कि वे सेट पर ज्यादा लोगों को न रखें। कैमरामैन और कुछ गिने-चुने क्रू के सामने उन्होंने ऑर्गैजम वाले सीन को अपने उसी को-स्टार के साथ काफी इमोशंस के साथ फिल्माया, जिन्होंने उन्हें चैलेंज देते हुए कहा था ऊह... आह..जैसी आवाजें निकालने को परफॉर्मेंस नहीं कहा जा सकता। च्द डर्टी पिक्चरज में विद्या बालन के ऐसे ही बोल्ड सीन की काफी चर्चा रही थी। विद्या ने इस फिल्म में बोल्ड सीन करने का फैसला लिया था और उन्होंने बिना किसी उलझन के उम्रदराज ऐक्टर नसीरुद्दीन शाह के साथ रोमांटिक सीन किया।

आते ही छा गया गुरु रंधावा का म्यूजिक वीडियो मेहंदी वाले हाथ, दुल्हन बनीं दिल बेचारा की संजना सांघी

मशहूर पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा का म्यूजिक वीडियो च्मेहंदी वाले हाथज रिलीज हो गया है, जिसमें उनके साथ नजर आ रही हैं संजना सांघी।

संजना सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म च्दिल बेचाराज में नजर आ चुकी हैं और इस गाने में वह बला सी खूबसूरत नजर आ रही हैं। संजना ने इस वीडियो से म्यूजिक की दुनिया में कदम रखा है। गाने में जहां गुरु रंधावा ने अपनी आवाज से जान फूंक दी है, वहीं इसका लिरिक्स सईद कादरी ने तैयार किया है। इस गाने में गुरु रंधावा देश के लिए सर्मपित एक फौजी के किरदार में नजर आ रहे हैं। कहानी उस फौजी की है, जो देश की रक्षा के लिए अपनी जान लगा देता है, लेकिन प्यार के मामले में उन्हें दर्द मिलता है। इस जांबाज फौजी का प्रेमिका से रिश्ता जुड़ते-जुड़ते रह जाता है और उसे आखिरकार देश की रक्षा के लिए जंग में उतरना होता है। म्यूजिक वीडियो की कहानी हर फैन्स के दिलों को छू रहा। लोग गुरु रंधावा के म्यूजिक वीडियो की जमकर तारीफें कर रहे। गुरु रंधावा ने इस वीडियो को अपने इंस्टाग्राम पर भी शेयर किया है।

इतने दिन चलेगा वरुण धवन और नताशा दलाल का वेडिंग फंक्शन

वरुण धवन और उनकी गर्लफ्रेंड नताशा दलाल की शादी को लेकर पिछले काफी समय से कयास लगाए जा रहे हैं। पिछले दो दिनों से बताया जा रहा है कि इस महीने के आखिर तक अलीबाग में एक

प्राइवेट सेरेमनी में वरुण धवन और नताशा दलाल शादी करने वाला है। शादी को लेकर योजना बनाई गई है। वरुण धवन और नताशा दलाल चाहते हैं कि कोरोना महामारी को देखते हुए कम लोगों का शादी का कार्यक्रम हो और परिवार और दोस्तों को इनवाइट किया गया है। एक सूत्र के मुताबिक, 22 से 26 जनवरी तक अलीबाग में शादी कार्यक्रम होना है। पांच दिन तक शादी के फंक्शन धूमधाम से होंगे। वरुण धवन और नताशा दलाल ने अपने रिश्ते को लेकर कभी खुलकर बात नहीं की है। हालांकि, दोनों कई पार्टियों पर एक साथ देखा गया है। हमारे सहयोगी च्फिल्मफेयरज को दिए एक इंटरव्यू में वरुण धवन ने कहा था।, च्हर कोई पिछले 2 सालों से मेरी शादी के बारे में बात कर रहा है। अभी तक कुछ तय नहीं है।

जान्हवी कपूर ने पापा बोनी कपूर से बोला था झूठ, चुपके से चली गई थीं लास वेगस

जाहन्वी कपूर भले ही अभी तक केवल 2 बॉलिवुड फिल्मों में दिखाई दी हों लेकिन अपनी खूबसूरती के कारण वह हमेशा चर्चा में रहती हैं। श्रीदेवी और बोनी कपूर की लाडली जान्हवी की कई फिल्में आने वाली हैं। वैसे तो जान्हवी अपने पापा बोनी कपूर के काफी क्लोज हैं लेकिन हाल में उन्होंने बताया है कि वह एक बार अपने पापा से झूठ बोलकर ट्रिप पर चली गई थीं। हाल में जान्हवी कपूर करीना कपूर के चैट शो में पहुंचीं। इस चैट के दौरान बोनी ने बताया कि एक बार उन्होंने अपने पिता बोनी कपूर से झूठ बोला था। उन्होंने बताया कि वह एक बार झूठ बोलकर लॉस ऐंजिलिस से एक दिन की ट्रिप पर लास वेगस चली गई थीं। जान्हवी ने बताया कि इसके लिए उन्होंने लॉस ऐंजिलिस से फ्लाइट पकड़ी, वेगस में मूवी देखी, इधर-उधर घूमीं और वापसी की फ्लाइट पकड़कर सुबह वापस लॉस ऐंजिलिस पहुंच गई। जान्हवी ने इस शो पर कहा कि हर आदमी बचपन से बड़े होने के बीच वह काफी विद्रोही होता है और उस दौरान लोग ऐसे काम कर देते हैं जो उन्हें नहीं करने चाहिए। वर्क फ्रंट की बात करें तो जान्हवी ने ईशान खट्टर के ऑपोजिट च्धड़कज से बॉलिवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद पिछले साल उनकी फिल्म च्गुंजन सक्सेना- द कारगिल गर्लज रिलीज हुई थी। अब जान्हवी की अगली फिल्म राजकुमार राव के ऑपोजिट च्रूही अफसानाज में दिखाई देंगी। इस फिल्म के अलावा जान्हवी करण जौहर के प्रॉडक्शन की च्दोस्ताना 2ज और च्तख्तज में भी काम कर रही हैं।

नई फिल्म में नशे में परेशान दिखेंगी परिणीति चोपड़ा?

ऐक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा की मच अवेटेड थ्रिलर फिल्म च्द गर्ल ऑन द ट्रेनज का टीजर रिलीज हो गया है। डायरेक्टर रिभू दासगुप्ता की यह फिल्म 26 फरवरी 2021 को ओटीटी प्लैटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी। फिल्म में परिणीति का दमदार रोल है लेकिन कई जगह उनकी आंखों में आंसू नजर आ रहे हैं। टीजर देखकर ऐसा लग रहा है कि वह फिल्म में एक नशेड़ी महिला का किरदार निभा रही हैं जो कि किसी चीज को लेकर परेशान है।

20 सेकंड के टीजर में काफी इंटेंस: 20 सेकंड का टीजर काफी इंटेंस है और सस्पेंस से भरा लग रहा है। हालांकि, इसमें कोई भी डायलॉग या ऐक्शन नहीं है बल्कि सिर्फ परिणीति का बिगड़ता मूड और शरीर की चोटें दिख रही हैं। ऐसे में अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म में कुछ नया देखने को मिलेगा।

अजीब स्थिति में फंस जाती है मीरा: परिणीति फिल्म में मीरा चोपड़ा नाम का रोल प्ले कर रही हैं जो रोज ट्रेन से सफर करके अपने ऑफिस जाती है। फिर एक दिन वह अजीब स्थिति में फंस जाती है। ट्रेन से सफर के दौरान वह रोज एक कपल को उनके घर की खिड़की से देखती है मगर एक दिन वह कुछ ऐसा देख लेती है जो उसे पूरी तरह से झकझोर कर रख देता है। यह घटना उसे उस कपल के साथ जोड़ देती है।

बेस्टसेलर पर बेस्ड है फिल्म: बता दें, च्द गर्ल ऑन द ट्रेनज इसी नाम से बनी अंग्रेजी फिल्म का हिंदी रीमेक है जिसमें एमिली ब्लंट ने मुख्य भूमिका निभाई थी और टेट टेलर ने फिल्म का निर्देशन किया था।

लता मंगेशकर के खिलाफ बोलने वाले ट्रोल को अदनान सामी का जवाब- बंदर क्या जाने...

अदनान सामी ने सोशल मीडिया पर लेजंडरी सिंगर्स आशा भोसले, लता मंगेशककर और नूरजहां की तस्वीरें पोस्ट की है। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा है, कितनी आइकॉनिक और ऐतिहासिक तस्वीर है। उनकी एक तस्वीर पर यूजर ने लता मंगेशकर के खिलाफ कॉमेंट किया है। इस पर अदनान सामी ने तगड़ा जवाब दिया है।

अदनान ने लिखा, बेहतर है चुप रहकर मूर्ख दिख जाओ: अदनान सामी के पोस्ट पर यूजर ने लिखा है, लता मंगेशकर की आवाज अच्छी है, ये सोचने के लिए भारतीयों का ब्रेनवॉश किया गया है। इस पर अदनान ने जवाब दिया है, बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद... अपने हर डाउट पर सवाल करने से बेहतर है चुपचाप रहकर मूर्ख दिख जाओ।

विवेक अग्निहोत्री भी सपोर्ट में आए: डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री भी लता मंगेशकर के सपोर्ट में आए हैं। उन्होंने कई ट्वीट्स किए हैं। विवेक ने लिखा है, मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि लता मंगेशकर को नफरत करने वाले अगले जन्म में हमारे जैसे इंसान बनें जो सुंदरता को समझ सकें और जान सकें कि सच में दिव्यता क्या है। एक और ट्वीट में उन्होंने लिखा है, मैं सरस्वती और दिव्यता में यकीन करता हूं, इसकी एक वजह लता मंगेशकर भी हैं। मैं शैतान पर यकीन करता हूं, इसकी वजह उनके हेटर्स हैं।

शिल्पा शेट्टी ने अपनी फेवरेट पार्टनर संग किया लाजवाब डांस, बदन पे सितारे लपेटे हुए गाने पर खूब झूमीं

शिल्पा शेट्टी ने अपना एक मजेदार डांस वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी बहन समिता के साथ च्बदन पे सितारे लपेटे हुएज गाने पर खूबसूरत मूव्स देती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में समिशा का हाथ पकड़कर दिल खोलकर डांस कर रही हैं शिल्पा। वीडियो में दोनों मैचिंग स्टेप्स करती नजर आ रही हैं। शिल्पा ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा है, च्मैचिंग स्टेप्स मेरी फेवरेट सितारा के साथ, मेरी ञ्ह्वठ्ठद्ब मेरी हार्ट है- सारा का सारा।ज शिल्पा ने लिखा है- एक खूबसूरत शाम सबसे क्यूट डांस पार्टनर समिता शेट्टी के साथ। इस वीडियो पर फैन्स खूब जमकर कॉमेंट कर रहे हैं। इससे पहले शिल्पा ने लोहड़ी का एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह अपनी पूरी फैमिली के साथ इस फेस्टिवल को इंजॉय करती दिख रही हैं। इस वीडियो में शिल्पा शेट्टी के अलावा उनके हसबैंड राज कुंद्रा, बेटी समिशा, बेटा और माता-पिता भी नजर आ रहे हैं। इस वीडियो शेयर करते हुए लिखा, च्लोहड़ी दी लख लख बधाइयां सभी को। उम्मीद है कि लोहड़ी की यह आग सभी नकारात्मक चीजों को जला दे।

काजोल ने बताया त्रिभंग की कहानी में क्या है खास, बताया- असल जिंदगी से करती हैं कनेक्ट

काजोल की अपकमिंग फिल्म त्रिभंग को लेकर काफी चर्चे हैं। इसमें वह ओडिशी नृत्यांगना के रोल में दिखाई देंगी। उनका कहना है कि वह इस फिल्म को रियल लाइफ से कनेक्ट करके देखती हैं। इस फिल्म का प्रीमियर 15 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर होना है। काजोल ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि उन्हें फिल्म की कहानी पहली बार में ही भा गई थी।

ऐसे सब्जेक्ट पर नहीं बनती हैं फिल्में: ऐक्ट्रेस काजोल का कहना है कि वह आने वाली फिल्म 'त्रिभंग' में अपने किरदार को जीवन के साथ जोड़ कर देख सकती हैं। च्त्रिभंगज में खास तौर से मां और बेटी के बीच के संबंधों को दिखाया गया है। अभिनेत्री रेणुका सहाणे की इस फिल्म में उस विषय को उठाया गया है, जिसपर अक्सर कोई बात नहीं करता। सामान्य तौर पर हिन्दी सिनेमा में बाप-बेटे के संबंधों पर चर्चा होती है, लेकिन मां को हमेशा दरकिनार कर दिया जाता है या उसे त्याग की मूर्ति के रूप में दिखाया जाता है। 'बाजीगर', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है' और 'कभी खुशी, कभी गम' जैसी बॉलिवुड ब्लॉकबस्टर्स में काम की चुकी काजोल का कहना है कि वह अपने करियर को लेकर कभी कोई योजना नहीं बनाती हैं। उन्होंने कहा कि सबकुछ अच्छी स्क्रिप्ट मिलने पर निर्भर करता है।

फिल्म या रोल चुनने के लिए नहीं करतीं प्लानिंग: इंटरव्यू में काजोल ने कहा, च्मैंने हमेशा अच्छी स्क्रिप्ट पर काम किया है। अगर मुझे कुछ अच्छा लगता है तो मैं वह करूंगी, अगर अच्छा नहीं लगता है तो मैं नहीं करूंगी। मैं कभी योजना नहीं बनाती कि मेरा अगला किरदार क्या होगा या कैसी फिल्म करूंगी। अच्छी स्क्रिप्ट मुश्किल से हाथ आती है।ज उन्होंने कहा, च्मैं कह सकती हूं कि मैं ऐसा किरदार निभाना चाहती हूं या ऐसी फिल्म करना चाहती हूं, लेकिन अंत में आपको अच्छी स्क्रिप्ट पर ही काम करना होगा। यह जुआ है, कभी आपकी किस्मत अच्छी होती है और कभी नहीं होती है।

असल जिंदगी में काजोल का मां से मजबूत है रिश्ता: 'त्रिभंग' में्लोकप्रिय बॉलिवुड स्टार और ओडिशी नृत्यांगना 'अनु' की भूमिका निभा रही काजोल का फिल्म में अपनी मां नयन के साथ बेहद कड़वा संबंध है। काजोल का कहना है कि उन्हें यह किरदार एक नजर में भा गया था। फिल्म में तनवी आजमी, मिथिला पाल्कर और कुणाल रॉय कपूर मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर शुक्रवार को होना है। हालांकि, निजी जिंदगी में काजोल का संबंध अपनी नानी शोभना समर्थ और मां तनुजा के साथ 'त्रिभंग' के किरदार से उलट बेहद मधुर रहा है।

बातचीत से बन सकते हैं बिगड़े रिश्ते: इस बारे में अभिनेत्री का कहना है कि वह समझ सकती हैं कि कैसे आपसी बातचीत की कमी दो बेहद मजबूत लोगों के बीच के संबंधों को बना-बिगाड़ सकती है। फिल्म के किरदारों के बारे में काजोल का कहना है, च्अनु और नयन जैसे लोग असल जिंदगी में भी होते हैं।

काजोल की शादी के खिलाफ थे उनके पिता, ऐक्ट्रेस ने अब किया वजह का खुलासा

काजोल और अजय देवगन ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन लोगों की चहेती जोड़ी है। दोनों साथ में बेहतरीन जिंदगी जी रहे हैं। उनकी शादी को करीब 20 साल होने वाला है। हाल ही में काजोल ने बताया के कैसे वह अपनी शादी के लिए पिता की मर्जी के खिलाफ गईं। इसमें उनकी मां का पूरा सपोर्ट था।

नहीं चाहते थे 24 साल की उम्र में करें शादी: काजोल और अजय देवगन की मैरीड लाइफ काफी अच्छी चल रही है। उनके दो बच्चे नीसा और युग हैं और दोनों पैरंट्स की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रहे हैं। शादी होने के बाद भी काजोल फिल्मों में ऐक्टिव हैं। काजोल ने एक न्यूज पोर्टल से अपनी शादी से जुड़ा एक खुलासा किया। उन्होंने बताया, उनके पिता शोमू मुखर्जी उनके 24 साल की उम्र में शादी करने के फैसले के खिलाफ थे। वह चाहते थे शादी से पहले काजोल और काम करें। हालांकि काजोल के फैसले पर उनकी मां तनुजा ने उनका पूरा साथ दिया था।

काजोल की मां तनुजा ने दिया था साथ: काजोल ने बताया कि उनकी मां ने कहा था कि उन्हें अपने दिल की बात सुननी चाहिए। अजय देवगन और काजोल ने 24 फरवरी 1999 को शादी कर ली थी। इस साल वह शादी के 22 साल पूरे होने का सेलिब्रेशन करेंगे।

वन-टू-वन

आनलाइन ठगी का शिकार हुई पीड़िता के खाते में साइबर सेल ने वापस कराई धनराशि

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर, पुष्पांजली टुडे

एटा । जनपद में साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने के परिदृश्य चलाए जा रहे अभियान के तहत साइबर सैल द्वारा आनलाइन ठगी का शिकार हुई पीड़िता के खाते में शत प्रतिशत धनराशि 3200 रूपये वापस कराने में सफलता प्राप्त की है। उच्चाधिकारियों को प्रार्थना पत्र देते हुए पीड़िता प्रियंका पुत्री विनय कुमार निवासी रानी अबन्तीबाई नगर शिकोहाबाद रोड़ थाना कोतवाली नगर जनपद एटा ने बताया कि 14 मई मेरे खाता एसबीआई शाखा शिकोहाबाद रोड़ में है जिससे 3200 रुपये का बिना उसका जानकारी के निकाल लिए गये है। अपर पुलिस अधीक्षक अपराध द्वारा साइबर सेल की टीम को प्रकरण की जांच कर पीड़िता की समुचित मदद करने हेतु निर्देशित किया गया। साइबर सैल द्वारा मामले की गंभीरता से जांचकर त्वरित व लाभप्रद कार्यवाही करते हुए पीड़िता की कुल ठगी गई धनराशि 3200 रुपये की रकम को उसके एकाउंट में वापस कराया गया है। अपने पैसे वापस पाकर पीड़िता व पीड़िता के पिता द्वारा पुलिस को धन्यवाद देते हुए भूरि भूरि प्रशंसा की गई है।

साइबर सैल एटा द्वारा साइबर ठगी से बचने हेतु आमजन को संदेश

किसी भी कम्पनी का कस्टमर केयर नम्बर उस कम्पनी के आधिकारिक वेवसाइट से ही प्राप्त करें क्योकि आजकल साइबर ठगों द्वारा अपने नम्बरों को विभिन्न आनलाइन कम्पनियों के कस्टमर केयर के नाम से गूगल पर अपडेट किया गया है। कोई भी बैंक अधिकारी फोन पर कभी भी आपसे एटीएम खाते क्रेडिट कार्ड अन्य से सम्बन्धित जानकारी नहीं मांगता इसलिए कभी भी फोन काल पर अपने बैंक से सम्बन्धित जानकारी शेयर ना करें । किसी भी क्यूआर कोड से पेमेंट लेते देते समय यह अवश्य चेक करें कि क्यूआर कोड पेमेंट रिसीव करने वाला है। भारत सरकार के सहयोग से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाया गया साइबर क्राइम हेल्प लाइन नम्बर-155260 किसी भी धोखाधडी से बचने के लिये उक्त नम्बर पर कॉल करे।

सलेम सीरवी समाज ट्रस्ट वढेर मे महामंत्री स्वामी तेजानंद महाराज का शॉल ओढ़ाकर किया संम्मानित

नारायणलाल सैणचा ब्यूरो चीफ, पुष्पाजली टुडे

सलेम। भारतीय उधीयोग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री स्वामी तेजानन्द भारतीय उधीयोग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री बनने के बाद पहली बार सीरवी समाज ट्रस्ट सेलम पहुंचने पर सीरवी समाज ट्रस्ट सेलम बडेर मे स्वामी तेजानन्द का समाज दुवारा समान किया गया इस कार्यक्रम में सीरवी समाज ट्रस्ट सलेम के अध्यक्ष मांगीलाल हाम्बड, धर्माराम, बाबुलाल, सोहनलाल, घिसुलाल, विनोदकुमार जैन ,वह सीरवी समाज टेस्ट सेलम के सभी पदाधिकारिगण मोजुद थे।

प्रगतिशील रेडियोग्राफर संघ ने दिया नर्सेज एसोसिएशन के आंदोलन में जायज मांगों को समर्थन

मोहन मांझी, पुष्पांजली टुडे

गोहद -मध्य प्रदेश नर्सेज एसोसिएशन के द्वारा अपनी उचित मांगों को लेकर आंदोलन जारी है नर्स हमेशा से ही अपने कार्य क्षेत्र में कर्मशील तथा अपनी जिम्मेदारियों को लेकर सजग रही हैं इन मूल्यों को लेकर प्रगतिशील रेडियोग्राफर संघ मध्य प्रदेश के चंबल संभागीय अध्यक्ष रवि जोशी द्वारा नर्सेज एसोसिएशन जिला अध्यक्ष रीना यादव को समर्थन पत्र देते हुए नर्सेज द्वारा की जा रही जायज मांगों को लेकर किए जा रहे आंदोलन में समर्थन दिया साथ ही उनके साथ हो रहे अन्याय का विरोध किया जिसमें प्रगतिशील रेडियोग्राफर्स संघ ने मध्य प्रदेश सरकार से आग्रह किया है कि वह नर्सेज आंदोलन की न्याय संगत मांगों को सुने और जल्द से जल्द उनका निराकरण करते हुए आंदोलन को समाप्ति की ओर ले जाएं।

अम्बाह नगर की जनता मेरी भगवान में असका पुजारी...राजस्व निरी : अशोक शर्मा

अगर दूसरे जन्म में भी सेवा का मौका मिले तो सारथी बने एसडीएम राजीव समाधिया

केशब पडित जी अम्बाह, पुष्पांजली टुडे

अम्बाह... अम्बाह की जनता व नगर पालिका स्टाप से मिला प्यार हमेशा याद रखूंगा यह बात अम्बाह नगरपालिका से रिटायर्ड हुऐ राजस्व निरीक्षक अशोक शर्मा ने कही आज नगर पालिका के समस्त स्टाप मित्रगण व समाज सेबियो ने नगरपालिका परिषर मे उनके सेवानिबृत्त होने पर बिदाई समारोह में कही इस मौके पर अम्बाह एसडीएम राजीब समाधिया, नायब तहसीलदार बिकाश भदौरिया सीएमओ रामनिबाश शर्मा पटबारी शिबमोहन सिह व समाज सेबी मोके पर मौजूद रहे इस मौके पर एसडीएम अम्बाह राजीब समाधिया ने अपने बक्तव्य मे कहा कि में दो तीन बार प्रसासक का काम देख चुका हू चाचौडा व अम्बाह पोरसा में परन्तु अम्बाह जैसा स्टाप सभी जगह होना चाहिये अगर मनुष्य को जीवन मे

ऐसा सेवा करने का मौका मिले तो सारथी बने कभी भी स्वार्थी न बने उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण चाहते तो महाभारत में संचालक भी बन सकते थे पर उन्होंने सारथी बनकर अपने कर्तव्य को निभाया ओर सत्य को बिजय दिलाई ने अपने बक्तव्य मे सीएमओ रामनिबाश शर्मा ने कहा कि में अशोक शर्मा जी सेवा काल में अधिक साथ मे काम करने साथ मिला और लगातार 38 बर्षो से अपनी सेवा देकर जनता का मन मोह चुके है वह काफी व्यवहार कुशल व व्यक्तित्व के धनी एवम सुलझे हुए व्यक्ति हैं इस मौके पर अम्बाह में 6 साथी सेबानिृत्त होने पर भव्य बिदाई समारोह की पार्टी आयोजन किया गया इस मौके पर समाज सेबी व समस्त नगरपालिका परिषद स्टाप मौजूद रहा।

शिवपुरा आबादी क्षेत्र में भू माफिया द्वारा किए गए अवैध रूप से कब्जे को पुलिस जाब्ते के साथ हटाया गया

नेनाराम सीरवी, पुष्पांजली टुडे

पाली। पाली ब्लाक के ग्राम पंचायत वडेरावास के राजस्व गांव शिवपुरा में आबादी क्षेत्र में ग्रामीणों द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को पुलिस प्रशासन मय जाब्ता के साथ हटाया गया। अतिक्रमण पिछले कई लंबे समय से किया जा रहा है। ग्राम पंचायत की ओर से बार-बार नोटिस जारी करने के बाद भी भू माफिया ने ग्राम पंचायत की कार्रवाई की परवाह नहीं करते वे अपनी मनमानी से कब्जे को स्थाई रूप से अपने पास रखा। आखिरकार लंबे समय की कार्रवाई को राजस्व विभाग के साथ-साथ आबादी क्षेत्र में सोमवार को पुलिस जाब्ते के सहयोग से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। पाली ब्लॉक के कई गांवों में ग्राम पंचायत की कार्रवाई के अनुसार अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। पिछले

लंबे समय से गोचर भूमि के साथ आबादी क्षेत्र पर सरकारी भूमि पर अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है अति कर्मियों ने कांटे की बाड़ एवं तारबंदी के अलावा कई अति कर्मियों ने पक्के निर्माण कार्य भी करवाए । सरपंच लीला देवी सीरवी के सरपंच कार्यकाल के दौरान ग्रामीणों द्वारा पंचायत भवन पर बैठक के दौरान विकास के मुद्दों की चर्चा के साथ-साथ अतिक्रमण पर भी कई बार चर्चा हुई। जिसमें सरपंच लीला देवी सिरवी और ग्राम विकास अधिकारी ने अतिक्रमण हटाने के लिए जिला प्रशासन को ग्राम पंचायत की ओर से सूचित करके उनके आदेश के अनुसार सोमवार को आबादी क्षेत्र में पंचायत प्रशासन और पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में ग्रामीणों द्वारा किया गया अवैध रूप से अतिक्रमण को हटाया गया। पाली ब्लाक की ग्राम पंचायत वडेरावास पंचायत प्रशासन की उचित कार्रवाई के अनुसार तीन जेसीबी मशीन के माध्यम से शिवपुरा के चारों तरफ अतिक्रमण हटाया गया। इस दौरान सरपंच लीला देवी सिरवी समाजसेवी अमराराम सीरवी कनिष्ठ सहायक पुखराज सिरवी पंचायत सहायक विक्रम सिंह मिट्ठू सिंह और सदर थाना पुलिस प्रशासन के अंतर्गत खेरवा पुलिस चौकी प्रभारी सहित पुलिस प्रशासन के कॉन्स्टेबल मौजूद रहे।

राजेश शर्मा (कक्का) के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की

दैनिक पुष्पांजली टुडे

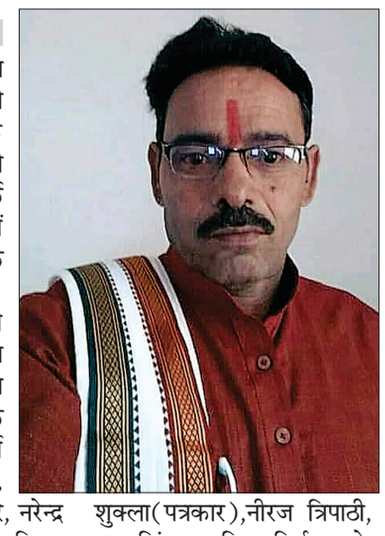

भिण्ड(ब्यूरो) ।मेहँगाव के ग्राम अजनोधा निवासी मेहँगाव क्षेत्र के समाजसेवी जानीमानी हस्ती राजेश शर्मा उर्फ कक्का का सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाने पर शोक संवेदना व्यक्त की गई।

शोक व्यक्त करने वालों में मध्यप्रदेश शासन के राज्यमंत्री ओ पी एस भदौरिया, पूर्व विधायक राकेश शुक्ला, पूर्व विधायक मुकेश चौधरी, पूर्व विधायक हेमंत कटारे, नरेन्द्र शर्मा पचेरा(नेताजी), जिला कांग्रेस कमेटी(विचार विभाग)जिला अध्यक्ष पंकज त्रिपाठी(पत्रकार),बंटी शर्मा सरपंच पचेरा, नेताजी रामविलास शर्मा बहुआ, राजेश थापक, अरुण शुक्ला(पत्रकार),नीरज त्रिपाठी, पप्पू सिंह नरवरिया, गिर्राज दुबे, वायद खान, उमेश शर्मा, मुन्ना जाटव, गजेंद्र सिंह नरवरिया के अलावा कई राजनीतिक व समाजसेवियों सहित क्षेत्र की सैकड़ों लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

मास्टर से मिनिस्टर तक का सफर तय करने वाले श्रीकृष्ण यादव का 78वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

पुष्पांजली टुडे

लखना ईटावा- जन सहयोगी इण्टर कॉलेज के सेवानिवृत्त पूर्व प्रधानाचार्य श्रीकृष्ण यादव का आज 78 वां जन्मदिन अनिल दोहरे ने उनके आवास पर मनाया । अनिल दोहरे ने पूर्व मंत्री जी को पुष्पहार पहनाकर उनकी दीर्घायु की कामना की ।

अनिल दोहरे ने कहा कि गुरु जी के प्रधानाचार्य कार्यकाल में कॉलेज में अनुशासन एवं शैक्षणिक व्यवस्था बहुत अच्छी रही । उन्होंने अपनी मेहनत और लगन बल पर सिर्फ कॉलेज ही नही बल्कि अपने शिष्यों को भी नई दिशा प्रदान की । गुरु जी एक शिक्षक के साथ साथ समाज सेवक भी हैं वे क्षेत्र में होने वाले सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़कर सहभागिता लेते रहे । उनके नम्र व्यवहार और जन समर्पणभाव को मध्यनजर रखते हुए समाजवादी पार्टी के मुखिया ने उन्हें राज्यमंत्री का दर्जा दिया । इसके साथ ही अनिल दोहरे ने प्रोफेसर रामगोपाल यादव के पौत्र एवं समाजवादी पार्टी के युवा नेता, अल्पायु में ही लोकप्रियता हासिल करने वाले हम सबके चहेते कार्तिकेय यादव के जनपद से बाहर होने पर फोन पर जन्मदिन की बधाइयाँ दीं । अखिल भारतीय दोहरे समाज महासंघ के जिलाध्यक्ष एवं समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एससी,एसटी प्रकोष्ठ सत्येंद्र दोहरे के 40 वें जन्मदिन पर पुष्पहार पहनाकर उनके सुखद एवं समृद्ध जीवन की कामना की ।

कराडी सरपंच की अध्यक्षता में बैठक का किया आयोजन

नेनाराम सीरवी, पुष्पांजली टुडे

पाली। मारवाड़ ब्लाक के ग्राम पंचायत कराडी भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र पर सरपंच भंवरलाल की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान ग्राम विकास अधिकारी मोहनलाल परिहार ने जनप्रतिनिधियों को आगामी प्रस्तावित विकास कार्य शुरू करने के लिए अवगत कराया गया। मानसून के प्रवेश के दौरान ग्राम पंचायत क्षेत्र में जलभराव की निकासी सुचारू रूप से करने के लिए जनप्रतिनिधियों ने सरपंच के समक्ष अपने-अपने वार्ड की जन समस्या के बारे में बताया गया। सरपंच भंवरलाल ने बताया कि मानसून के दौरान ग्राम पंचायत के अंतर्गत संपूर्ण वार्ड मोहल्लों में जल भराव की समस्या का समाधान ग्राम पंचायत द्वारा किया जाएगा। बैठक के दौरान ग्राम विकास अधिकारी मोहनलाल परिहार और सरपंच भंवरलाल ने विकास के कार्य की चर्चा के साथ-साथ कोराना के प्रति जन जागरूक अभियान के तहत संपूर्ण जनप्रतिनिधियों को अपने अपने वार्ड में आमजन को सामाजिक दूरी की पालना

सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया।ग्राम विकास अधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन चिकित्सा विभाग के आदेश के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकारियों ने डोर टू डोर टीकाकरण में तेजी लाने के लिए सर्वे किया। सर्वे के अनुसार पंचायत प्रशासन और कोर कमेटी स्वास्थ्य कर्मी आंगनवाड़ी कार्मिकों ने आमजन से ज्यादा से ज्यादा टीके लगाने के लिए प्रेरित किया गया। और अब कोराना के लंबे समय से संचालित किए जा रहे ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण कैंप में वंचित रहे लोगों का डोर टू डोर सर्वे करके ज्यादा से ज्यादा कोराना के टीके लगाने के लिए आमजन को प्रेरित करें। बैठक प्रत्येक माह की 1 से 5 जुलाई के बीच मासिक बैठक आयोजित की जाती हैं। कराडी भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र पर बैठक के दौरान विकास कार्य के बारे में चर्चा की गई। इस दौरान जनप्रतिनिधि और पंचायत कार्मिक बैठक के दौरान मौजूद रहे।

10 जुलाई को ऑनलाईन/ऑफलाईन आयोजित होगी नेशनल लोक अदालत

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ

(विद्युत प्रकरणों के निराकरण पर मिलेगी विशेष छूट नगरपालिका मामलों में भी उठा सकते है छूट का लाभ)

गुना (दैनिक पुष्पांजली टुडे)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण,नई दिल्ली व म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार दिनांक 10 जुलाई 2021 शनिवार को प्रदेश में उच्च न्यायालय स्तर से समस्त जिला एवं तहसील मुख्यालयों पर नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिला गुना में भी प्रधान जिला न्यायाधीश राजेश कुमार कोष्टा के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय गुना, तहसील न्यायालय चांचौड़ा/राधौगढ़/आरोन में भी ऑनलाइन/ऑफलाइन नेशनल लोक अदालत आयोजित की जा रही है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के जिला न्यायाधीश/ सचिव राकेश शर्मा ने जानकारी देते हुये बताया कि दिनांक 10 जुलाई 2021 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135,138 एवं 126 के अंतर्गत दर्ज प्रकरणों में छूट प्रदान की जावेगी। समस्त घरेलू, समस्त कृषि 05 किलोवाट भार तक के गैर घरेलू, 10 अश्वशक्ति भार तक के औधौगिक उपभोक्ताओं को निम्नानुसार छूट दी जावेगी।

प्रीलिटिगेशन स्तर पर:- कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किए जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी।

लिटिगेशन स्तर पर:- कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किए जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने

की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी।

उपरोक्तानुसार छूट तभी प्राप्त होगी जब आवेदक छूट के उपरांत शेष आंकलित सिविल दायित्व एवं ब्याज की राशि का भुगतान एकमुश्त करेगा, उपभोक्ता के नाम से अन्य कोई विद्युत प्रभार वसूलनीय न हो व एक बार छूट का लाभ प्राप्त करने के पश्चात पुनः छूट का लाभ प्राप्त नहीं होगा। सामान्य विद्युत देयकों के विरूद्ध बकाया राशि पर कोई छूट नहीं दी जावेगी तथा उक्त छूट केवल दिनांक 10 जुलाई 2021 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के समक्ष रखे जाने प्रकरणों पर ही लागू होगी। नगरपालिका के जलकर/संपत्तिकर प्रकरणों में भी पूर्व की भांति छूट मिलेगी।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने नेशनल लोक अदालत के संबंध में चांचौड़ा व राधौगढ़ के न्यायाधीश व अधिवक्ताओं के साथ ली बैठक, विद्युत विभाग के अधिकारियों को भी निर्देशित किया ।

प्रधान जिला न्यायाधीश राजेश कुमार कोष्टा के निर्देश पर नेशनल लोक अदालत में मामलों का निराकरण आपसी सहमति व समझौते से अधिक से अधिक संख्या में हो, इस संबंध में जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गुना राकेश शर्मा द्वारा चांचौड़ा व राधैगढ़ के न्यायाधीश व अधिवक्ताओं के साथ बैठक कर आवश्यक विचार-विमर्श किया तथा नेशनल लोक अदालत में मामलों के निराकरण हेतु व्यक्तिगत प्रयास करने की अपील की। इसके साथ ही श्री शर्मा द्वारा विशेष न्यायाधीश विद्युत व विद्युत विभाग के डीजीएम के साथ वर्चुअली बैठक कर विद्युत विभाग के प्रकरणों का निराकरण अच्छी संख्या में हो इस हेतु निर्देशित किया गया।

वन-टू-वन

यातायात के नियमों के उल्लंघन का मतलब है मौत को दावत -एडीजी सागर

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ

उज्जैन(दैनिक पुष्पांजली टुडे)। मध्यप्रदेश के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान डीजे सागर ने बताया हैं, कि नियम विरुद्ध गति से गाड़ी चलाने वालों से पूछो कि वो नियम के अधीन रहकर वाहन क्यों नहीं चलाते। तो उनके जवाब और तर्क कुछ इस प्रकार होते हैं :- पता नहीं क्यों?, बस यूँ गए और यूँ आए? ,जल्दी में थे? , तेज़ गति में मज़े लेने का चस्का?, यार दोस्तों के संग मस्ती?, हमारा कोई क्या बिगाड सकता है?, देखें तेज़ चल कर, कैसा लगता है? शेखी बगारना?नई गाड़ी का नशा? नशे में गाड़ी चलाना? देखें तेज़ गाड़ी कैसे चलती है? इन मनोभावों या अन्य किसी मनोविकारों से निर्धारित गति से अधिक तेज़ गति से गाड़ी चलाना संकटपूर्ण और संकटापन्न स्थिति को न्यौता देता है, दावत देता है। यह एक उद्दण्डता है,नियम विरुद्ध कृत्य है और अक्षम्य है क्योंकि इस का परिणाम स्वयं की और अपनों की अकाल दर्दनाक मौत है। एडीजी श्री सागर ने बताया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग परिवहन मंत्रालय के द्वारा प्रसारित 2019 के देश व्यापी आंकड़ों का शोध यही बताता है कि नियम विरुद्ध गति से गाड़ी चलाने से सर्वाधिक मृत्य होती है। पुलिस, परिवहन विभाग और जनता स्वयं आकलन करे कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम में किस ओर विवेकपूर्ण ध्यान केंद्रित करना है? राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की सड़कों पर 64,880 दुर्घटनाएं हुई जो कि संपूर्ण सड़क दुर्घटनाओं का 73.5 त्न है । इस के कारण 25,054 लोग दर्दनाक मौत को प्राप्त हुए जो कि संपूर्ण दुर्घटनाओं का 70.4 त्न है। राष्ट्रीय राजमार्ग, पी डब्लू डी की सड़कों पर 26,743 दुर्घटनाएं हुई जो कि संपूर्ण सड़क दुर्घटनाओं का 68.7त्न है। इस के कारण 8,530 लोग दर्दनाक मौत को प्राप्त हुए जो कि संपूर्ण दुर्घटनाओं का 63.2 त्न है। राष्ट्रीय राजमार्ग की सड़कें जो अन्य विभागों के अधीन है उन पर 6,871 दुर्घटनाएं हुई जो कि संपूर्ण सड़क दुर्घटनाओं का 63.2 त्न है । इस के कारण 2982 लोग दर्दनाक मौत को प्राप्त हुए जो कि संपूर्ण दुर्घटनाओं का 62.5 त्न है। निर्धारित गति से अधिक गति से गाड़ी चलाने को और अधिक घातक मृत्यु निष्ठ बनाने में जिन अन्य नियमों का उल्लंघन होता है वे हैं:- शराब / नशे का सेवन(3.5त्न दुर्घटनाएं), गलत लेन में गाड़ी चलाना(5.1त्न दुर्घटनाएं) लाल बत्ती जंप करना। (0.6त्न दुर्घटनाएं) मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए गाड़ी चलाना।(2.6त्न दुर्घटनाएं)। सीट बेल्ट नहीं बांधना और गुणवत्तापूर्ण हेल्मेट सही ढंग से सिर पर नहीं पहनना आदि कारणों का प्रतिशत 14.7त्न है।

अब जनता यह तय कर ले कि देश भक्ति नियम विरुद्ध गाड़ी चलाने में है या नियमानुसार गाड़ी चलाने में ?? जो व्यक्ति सड़क दुर्घटनाओं में अकाल दर्दनाक और हृदयविदारक मौत को प्राप्त होते हैं, वह देश भक्ति और जन सेवा में अपना अपना योगदान दे रहे होते हैं परंतु नियम विरुद्ध गाड़ी चलाने से उनका अमूल्य जीवन समाप्त हो जाता है। श्री सागर ने कहा कि यह अत्यंत दःखद और पीड़ा दायक है कि भोपाल में कुछ दिन पूर्व, एक पुलिस के अधिकारी को एक कार वाले ने नियम विरुद्ध गति से कार चला कर मौत के घाट उतार दिया। यह अत्यंत चिंतन का विषय है कि जनता नियम विरुद्ध कृत्य क्यों करती है ? क्या उन्हें दूसरों के दुख में अपनें और अपनों का दुख दर्द बिल्कुल महसूस नहीं होता। ज़रा सोचिए कि उस दुर्घटनाग्रस्त जांबाज कर्मठ पुलिस अधिकारी के परिवार का क्या होगा जिस में उसकी 2 वर्ष की नन्ही बेटी भी शामिल है? कबीरा सोई पीर है, जो जाने पर पीर । जो पर पीर न जानही, सो का पीर में पीर ।। भावार्थ:- कबीर दास जी कहते हैं कि जो इंसान दूसरे की पीड़ा और दुःख को समझता है वही सज्जन पुरुष है और जो दूसरे की पीड़ा ही ना समझ सके ऐसे इंसान होने से क्या फायदा।

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनकर प्रथम नगर आगमन पर अम्बरीष शर्मा का ग्रह ग्राम शिकरी में हुआ भव्य स्वागत

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रामकुमार महाते ने माल्यर्पण कर गुड्डू भैया को दिया आसीर्बाद

पुष्पांजली टुडे, लहार(अर्पित गुप्ता)

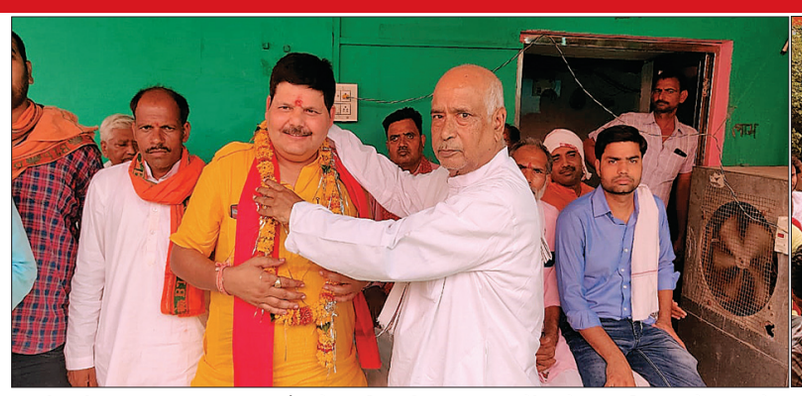

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बीड़ी शर्मा जी द्वारा घोषित भारतीय जनता पार्टी की कार्यकारिणी में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनकर अपने ग्रह ग्राम शिकरी जागीर लौटे अम्बरीष शर्मा उर्फ गुड्डू भैया का लहार भाजपा ने भव्य स्वागत किया इस मौके पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी जे भीष्म पितामह रामकुमार महाते ने गुड्डू भैया का माल्यार्पण कर स्वागत किया और आसीर्बाद दिया और कहा कि अम्बरीष हमारे लड़के जैसे है और इनके लिए हमेशा मेरा आसीर्बाद था और रहेगा तो वहीं असवार मण्डल अध्यक्ष अनूप त्यागी ने कहा कि अम्बरीष शर्मा जी के आने से लहार को एक नई ऊर्जा मिलेगी और आज उनकी बापसी से लहार विधानसभा का प्रत्येक कार्यकर्ता खुश नजर आ रहा है तो वहीं दबोह मण्डल अध्यक्ष देवेंद्र उपाध्याय ने अपने उद्बोधन ने कहा कि गुड्डू भैया के पार्टी में आने से युवाओं को आगे आने का मौका मिलेगा और उनके आने से युवा अपने आप को शसक्त महसूस कर रहा है तो वहीं भाजपा नेता अरविंद दुबे उर्फ गुड्डू ठेकेदार ने कहा कि गुड्डू के आने से लहार बिधानसभा में भाजपा की जीत सुनिश्चित है और हम सब मिलकर बर्षो से जमी कॉग्रेस को उखाड़फेंकने का कार्य करेंगे वहीं जिला मंत्री पूर्व मण्डल अध्यक्ष नंदराम बघेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक परिवार की तरह है और परिवार में आपसी मनमुटाव हो जाते है पर हम अब सभी मनमुटावों को दूर कर लहार में भाजपा का झंडा लहरायेंगे जिसमे अम्बरीष शर्मा उर्फ गुड्डू की अहम भूमिका भी आप सबको नजर आएगी लंबे इंतजार के बाद भाजपा परिवार में शामिल होकर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बने अम्बरीष शर्मा उर्फ गुड्डू भैया ने कहा कि में अपने परिवार में एक कार्यकर्ता की हैसियत से लौटा हूँ और पार्टी जो दायित्व देगी उसका बड़ी ही जिम्मेदारी के साथ निर्वहन किया जाएगा उन्होंने कहा कि जो कार्यकर्ता उपेक्षा का शिकार हो रहे थे उन्हें मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा और द्रण संकल्प के साथ हम भाजपा परिवार के सदस्य लहार विधानसभा में बर्षो से जमी कॉग्रेस को उखाड़फेंकने का काम करेंगे और भृष्ट शासन से लहार विधानसभा को मुक्ति दिलाएंगे अंत मे आभार प्रदर्शन बरिष्ठ भाजपा नेता संजीव नायक एडवोकेट ने किया एवम मंच संचालन चंदशेखर उपाध्याय एडवोकेट ने किया इस मौके पर हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अनंत श्री विभूति रावतपुरा सरकार जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर श्यामू ठाकुर ने कराया संतभोज हवन पूजन वृक्षारोपण

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

रावतपुरा धाम के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर आज सोमवार को सुबह 10:00 बजे से दोपहर लगभग 1:00 बजे तक चला भंडारा प्रसाद समाज सेवा टीम सेवड़ा के संयोजक श्यामू ठाकुर के नेतृत्व में सेवड़ा सनकुआ धाम त्यागी आश्रम पर संत भोज कराया गया जिसमें सेवड़ा सनकुआ धाम पर समस्त संतो ने भोजन ग्रहण किया और श्यामू ठाकुर को संतो ने आशीर्वाद दिया इस अवसर पर समाज सेवा टीम के संयोजक श्यामू ठाकुर ने कहा कि ईश्वर निराकार और गुरु साकार रूप में हमारे जीवन में अपने आशीर्वाद रूपी प्रकाश से मानव जाति का कल्याण करते रहते हैं ऐसे ही हमारे सद्गुरु 1008 श्री रावतपुरा सरकार आज पूज्य गुरुदेव का प्रकट दिवस है हम सब इस अवसर पर गुरुदेव को साष्टांग दंडवत प्रणाम करते हैं पूज्य गुरुदेव ने जिस तरह से पर्यावरण शिक्षा और आध्यात्मिक कार्य किया है वह मानव कल्याण के लिए वरदान साबित हुआ है जन्म दिवस के अवसर पर हम सभी संतो को संत भोज करवा रहे हैं।

सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक भंडारा प्रसाद त्यागी आश्रम पर चला इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी दतिया जिला अध्यक्ष सुरेंद्र बुधौलिया उपस्थित हुए और उन्होंने श्यामू ठाकुर की प्रशंसा की इस भंडारे कार्यक्रम में उपस्थित जन देवेश चौधरी राजेश परिहार रमाकांत चौधरी हरि सिंह कुशवाहा निर्वेद सविता राम सिया जाटव रामबाबू जाटव पहलाद कुशवाहा होमगार्ड सैनिक रामप्रकाश यादव अरविंद यादव गोपाल कुशवाहा भवानी खटीक जफार खान सिया शरण जोशी लल्लन तिवारी हरि भगवान आदि जन उपस्थित रहे।

दुकान का ताला तोडकर चोरो ने किया माल पार

ब्रजपाल सीटू सिंह गुर्जर, पुष्पांजली टुडे

मेहगांव। आये दिन चोरों व्दारा चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर दो चार दिन विराम के बाद फिर किसी रात चोरी की घटना को अंजाम देने से लगता है चोर काफी होशियारी से चोरी करने मे माहिर हे,बीती रात कस्बे के ग्वालियर तिराहे मेन रोड पर बीडी बंडल नमकीन बिस्किट पानी की बोतल ठंडा की बोतल इत्यादि की दुकान (ठेला) का ताला तोडकर चोरो ने करीब 12 हजार रुपये का माल पार कर दिया,दुकान मालिक ब्रजेश सिह भदौरिया पुत्र चतुरी सिह भदौरिया ,सुबह दुकान खोलने के लिये रोजमर्रा की तरह आये दुकान का ताला टूटा देख होश फाख्ता हो गये दुकान मे काफी छानबीन के बाद मेहगांव थाना पहुंच कर अपनी दुकान पर होने बाली चोरी की लिखित आबेदन देकर कार्यवाही की मांग की ,पुलिस ने आबेदन के बाद जांच कर जल्द चोरो का पता लगाने का भरोसा दिया।

रूपावास मे एकादशी को धार्मिक स्थल पर भाजपा बूथ कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण का अभियान किया

नेनाराम सिरवी, पुष्पांजली टुडे

पाली सीमावर्ती ग्राम पंचायत रूपावास मे एकादशी को धार्मिक स्थल राउनगर संजाडा नाडा के श्री 1008 श्री प्रताप जी महाराज के मंदिर एवं श्री करणी माता के घाट प्रांगण में भारतीय जनता पार्टी के भाजपा

बूथ प्रभारी हरिभाई पटेल के प्रेरणा से पर्यावरण हरियाला राजस्थान सुरक्षित रह सके । इस पर पौधारोपण का अभियान किया । वही उसी अवसर पर भगवान ईन्द्र देव को अच्छी बारिश को लेकर दिन भर महिलाओं व पूरूषो ने भजन कीर्तन गाकर खुशहाली की कामना की एवं पौधा वितरण भी किया तथा उन्होने यह भी संदेश दिया है कि प्रत्येक बूथ वार्ड कार्यकर्ताओं को पौधों की देख रेख के लिए जिम्मेदार दि गई ।

इस मौके पर मंदिर के पुजारी रूपाराम महाराज, पुर्व जिला परिषद सदस्य श्रीदेवी पटेल, पुर्व छात्रसंघ अध्यक्ष पायल पटेल, पुर्व सरपंच दिपाराम बंजारा, भूत पूर्व सरपंच पन्नाराम , पुर्व प्रधान श्रवण बंजारा, दिपाराम जाम्बडा , गोविन्द, बूध्दाराम, भरत सहित कई ग्राम वासी मौजूद थे।

12 अभियुक्त जुआ खेलते हुए गिरफ्तार, मौके व फड़ से 61,300 रूपए व ताश पत्ते बरामद

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर

एटा । अपराध एवं अपराधियों एवं अवैध जुआ सट्टा के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना थाना जलेसर पुलिस द्वारा दिनांक सोमबार को 12 अभियुक्तों विष्णु वर्मा पुत्र राजेन्द्र कुमार वर्मा निवासी मौ0 पोस्तीखाना कस्बा व थाना जलेसर संजीव वर्मा पुत्र रामसेवक वर्मा निवासी मौ0 वारी का चौक कस्बा व थाना जलेसर असलम पुत्र नजीरूद्दीन निवासी मौ0 बडा बाजार कलां कस्बा व थाना जलेसर संजीव कुमार पुत्र बाहोरीलाल निवासी मौ0 हथौड कस्बा व थाना जलेसर हरीशंकर पुत्र कुवरपा निवासी मौ0 रामवक्स कस्बा व थाना जलेसर विजय गिरी पुत्र सतीश गिरी निवासी मौ0 सादात कस्बा व थाना जलेसर मजाहिद पुत्र साविर नि0 मौ0 ठगेलान कस्बा व थाना जलेसर हरेन्द्र सिंह पुत्र विजेन्द्रपाल सिंह निवासी इशौली चौराहा कस्बा व थाना जलेसर संजीव सिंह पुत्र राधाचरन निवासी मौ0 अकबरपुर हवेली कस्बा व थाना जलेसर सोनु पुत्र डिप्टी सिंह निवासी वसई थाना सकरौली सतेन्द्र सिंह पुत्र ओमपाल सिंह निवासी मौ0 पोस्ती खाना कस्बा व थाना जलेसर जीतू पुत्र ओमपाल सिंह निवासी वसई थाना सकरौली को नाल ले देकर जुआ खेलते हुए 61300 रुपए तथा ताश पत्तों के साथ मोहल्ला सादात में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध धारा 3/4 जुआ अधिनियम पंजीकृत कर मा0 न्यायालय भेजा जा रहा है ।

नाबालिग के हाथ पैर मुंह बांधकर हत्या, परिजनों ने जताई दुष्कर्म की आशंका, आरोपी फरार

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

मुरैना जिले के अम्बाह थाना क्षेत्र के पूठ रोड गली नंबर दो में रहने वाली मासूम बच्ची के हाथ पैर और मुंह बांधकर हत्या कर दी गयी। हत्या के बाद आरोपी फरार हो गया। खास बात ये है कि आरोपी बच्ची के मोहल्ले में ही रहता है और वो भी नाबालिग बताया जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी हैं।

जानकारी के अनुसार आज सोमवार को सुबह करीब 7 बजे चार पांच साल की मासूम बच्ची टोस्ट लेने के लिए दुकान पर गई थी तभी बच्ची के घर के सामने रहने वाला आरोपी बच्ची को रास्ते से पकड़कर अपने घर के अन्दर खींच ले गया। दो घण्टे तक जब बच्ची घर नहीं लौटी तो परिजनों ने चारों तरफ खोजना शुरु किया तो बच्ची का कहीं भी कोई अतापता नही मिला जब बच्ची कहीं नहीं मिली तो पड़ोस में रहने वाले जीतू तोमर ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से बच्ची को देखा तो बच्ची सामने वाले मकान में जाती हुई दिखाई दी। आरोपी अंबाह के पास मिढैला गांव का रहने वाला है। बच्ची के घरवालों ने आरोपी के घरवालों को फोन लगाया तथा घर की चाबी मांगी। चाबी मांगने पर आरोपी के बाबा स्वयं चाबी लेकर आए तथा उन्होंने घर का ताला खोला तो बच्ची घर के सबसे अन्दर तीसरे कमरे में बंद मिली। बच्ची के मुंह, हाथ, पैर व गला बंधा हुआ था। उसकी हत्या हो चुकी थी दर्दनाक बात ये है जिस बच्ची की हत्या हुई है। वह अपने दो भाइयों के बीच अकेली बहन थी। वह तीनों में सबसे बड़ी थी। वह अंबाह के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा चौथी की छात्रा थी। पढ़ने में वह बहुत होशियार थी। उसके दोनों छोटे भाई कक्षा तीन में पढ़ते हैं। उधर बच्ची के परिजनों का कहना है कि उनकी बच्ची के साथ दुष्कर्म किया गया है घटना की सूचना मिलते ही घटना स्थल का निरीक्षण किया और आसपास से साक्ष्य जुटाए उसके बाद शव को मुरैना पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया। मासूम के साथ हैवानियत की खबर मिलते ही पीएम हाउस पर एडिशनल एसपी रायसिंह नरवरिया, सिटी कोतवाली पुलिस और अम्बाह पुलिस सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। जहाँ से बच्ची के शव को डॉक्टरों की टीम द्वारा पीएम के लिए ग्वालियर भेजा गया पूरे मामले में एडिशनल एसपी रायसिंह नरवरिया का कहना है कि जब से बच्चे मोबाइल देख रहे हैं। तभी से इस तरह की घटनाएं अधिक घटित हो रही हैं। बच्ची का पोस्टमार्टम अभी नहीं हुआ है। बच्ची के साथ हुई घटना का पता पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही लगेगा। आरोपी फरार है। वह नाबालिग बताया जाता है। उंसको पकड़ने के लिए पुलिस पार्टी रवाना की गई हैं।

पंचायत बीरपुर में सचिव एवं सरपंच द्वारा कार्य निर्माण में पंचायत राशि का दुरुपयोग

राकेश परिहार रिपोर्टर, पुष्पांजली टुडे

पिछोर / पंचायत बीरपुर में सचिव बृजेंद्र दुबे एवं सरपंच कमलेश दुबे द्वारा किया जा रहा शासन के पैसों का दुरुपयोग चेक डैम के ऊपर चेक डैम का निर्माण किया जा रहा है एवं ऊपर नहर निकली हुई है वहां पर चेक डैम पहले से ही मौजूद है फिर भी उसी के आगे दूसरा चेक डैम का निर्माण कार्य तेज गति से करा रहे हैं और शासन को चूना लगाने का प्रयास कर रहे हैं जिससे अपनी अपनी जेब गर्म हो जाए पंचायत बीरपुर में सचिव बृजेंद्र दुबे एवं कमलेश दुबे कई कार्यों पर दोषी पाए गए हैं फिर भी पंचायत का पैसा हड़पने के चक्कर में रहते हैं और गरीब मजदूर लोगों को मजदूरी नहीं मिल पाती है वह भी मशीनों से कार्य निर्माण कराते रहते हैं सचिव बृजेंद्र दुबे एवं सरपंच का कार्य संभालने वाले कुल्लन दुबे वहां पर शासन के पैसों की शराब बीयर बैठकर पीते हैं जहां पर पंचायत के पैसों का दुरुपयोग किया जाता है सचिव बृजेंद्र दुबे एवं सरपंच द्वारा पंचायत के पैसों का आहरण किया करते और शासन के लाभों से ग्राम के लोग वंचित रह जाते हैं यह दुर्दशा ग्राम पंचायत बीरपुर में ऐसी चल रही है जिसमें पंचायत सचिव बृजेंद्र दुबे बीरपुर को शराबियों का अड्डा बना रखा है विकास के कार्य में सबसे पीछे पंचायत बीरपुर ही है जहां पर हरिजन आदिवासी लोगों को किसी भी प्रकार की कोई सुविधा नहीं मिल पाती है ना ही शासन से कोई लाभ पंचायत सचिव और सरपंच द्वारा दिया जाता है केवल भ्रष्टाचार एवं मनमानी का आंकड़ा चलाते रहते हैं जो कि चेक डैम पहले ही उस जगह पर पर है और शासन को चूना लगाने के चक्कर में वहीं पर दूसरा चेक डैम का निर्माण कार्य की गति से करवा रहे हैं जिससे वह राशि निकालकर अपने अपने खाते में जमा की जाके ।

सफलता की कहानी

गेहूं की एस.डब्लू.आई. विधि से हुआ दुगना उत्पादन)

कृषक का नाम - सोनेराम
पिता का नाम - रामप्रसाद
ग्राम- टिकैतगढी
विकासखंड - कैलारस
जिला - मुरैना
मो.- 9098652232
भूमि रकबा - 0.4 एकड़
वर्ष - 2018-19

मैं सोनेराम धाकड़ ग्राम टिकैतगढी विकासखंड कैलारस जिला मुरैना का रहने वाला एक सामान्य किसान हूं पहले मैं अपने खेतों में फसलों की बुवाई असंतुलित तरीके से कर देता था जिससे अपेक्षाकृत लागत अधिक एवं उत्पादन कम प्राप्त होता था एक दिन में कृषि विभाग एवं आत्मा परियोजना के अधिकारी श्री जयदीप सिंह भदोरिया से मिला उनके द्वारा एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था जिसमें उन्होंने बताया कि हमें कम लागत में अधिक उत्पादन हेतु गेहूं को एस.डब्लू.आई. विधि एवं सरसो को एस.एम.आई. विधि से करना चाहिए फिर में ÷आत्मा÷परियोजना कार्यालय में गया और कहा कि मुझे गेहूं एस.डब्लू.आई. विधि से लगाना है तो उन्होंने मात्र 10 किलोग्राम बीज तैयार करवाकर डिबलर की सहायता से 1 एकड़ खेत में 8म20 से.मी. की दूरी पर लगवा दिया जब गांव वालों ने देखा तो मुझसे कहा कि तुमने अपना खेत बर्बाद कर दिया लेकिन जब फसल बड़ी हो गई तब सभी लोग आश्चर्यचकित हो गए क्योंकि पिछले वर्ष पुरानी विधि से एक एकड़ में मुझे 16 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ था परंतु एस.डब्लू.आई. विधि द्वारा उसी खेत में 32 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ तभी से मैंने फैसला लिया कि अब सभी फसलों को इसी विधि से लगाऊंगा

मैं आत्मा की टीम का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मेरा मार्गदर्शन किया

सोनेराम
ग्राम- टिकैतगढी

नैनो न्यूज

सास ने कराया मामला दर्ज, दामाद फांसी पर झूला.नवविवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

ग्वालियर। शहर के पड़ाव थाना क्षेत्र के फायर ब्रिगेड कालोनी में नगर निगम के कर्मचारी ने बीती रात को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रविवार को ही सास ने मृतक के खिलाफ मारपीट करने का मामला दर्ज कराया था। वहीं इसी थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुरा में एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली ।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार मोती महल के पास स्थित फायर बिग्रेड कालानी निवासी हेंमत गुप्ता पुत्र दर्शनलाल गुप्ता फायर बिग्रेड में कार्यरत था। सोमवार की सुबह हेंमत गुप्ता सरकारी क्वार्टर के कमरे में फांसी पर लटका मिला। सूचना मिलते ही पड़ाव थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद हेंमत के शव को पीएम के लिए डेड हाउस पहुंचा दिया। जांच में पता चला कि- हेंमत गुप्ता की शादी छतरपुर निवासी नेहा अग्रवाल से हुई थी। 1 जुलाई को शोभा चतुर्वेदी नर्सिंग होम में नेहा ने बच्चे को जन्म दिया है। रविवार को नेहा अग्रवाल की मां रजनी अग्रवाल व पिता रामबाबू अग्रवाल बेटी व नवजात शिशु को देखने के लिए आए थे। जहां सास व दामाद के बीच विवाद हो गया। रजनी अग्रवाल ने रविवार को दामाद हेंमत गुप्ता के खिलाफ उनके साथ मारपीट करने का मामला दर्ज कराया। पड़ाव थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं लक्ष्मणपुरा में नवविवाहिता रेखा पत्नी कोक सिंह नज फांसी लगा ली।। मृतका की सात माह पहले ही शादी हुई थी। नवविवाहिता के फांसी लगाने की सूचना मिलते ही पड़ाव थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई।

बबूल के पेड़ से फांसी पर लटका मिला युवक का शव

ग्वालियर। देहात के हस्तिनापुर थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह एक युवक का शव बबूल के पेड़ से फांसी पर लटका मिला। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार हस्तिनापुर गांव मे रहने वाला लक्ष्मण पुत्र रामदयाल जाटव रविवार की रात को खाना खाकर सोया था। सुबह वह घर के पास ही बबूल के पेड़ से फांसी पर लटका मिला है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर आ गई। पुलिस ने पेड़ से युवक के शव को उतारकर पीएम के लिए भेज मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

छज्जा गिरने से घायल महिला ने दम तोड़ा

ग्वालियर। ग्वालियर में निर्माणाधीन छज्जा गिरने और उसमें परिवार के तीन सदस्यों समेत चार लोगों के दबने के मामले में सोमवार को एक मौत हो गई है। मकान मालिक की पत्नी कृष्णा जोशी घायल थीं। पहले डॉक्टर उनको खतरे से बाहर बता रहे थे, पर देर रात अचानक उनकी सांसे उखड़ने लगीं। सोमवार सुबह 5 बजे महिला ने दम तोड़ दिया। घटना एक दिन पहले रविवार शाम गेंडेवाली सड़क मूर्ति मोहल्ला की है। शेष तीन घायलों की स्थिति ठीक है। पुलिस ने अस्पताल की सूचना पर शव को निगरानी में लेकर पोस्टमार्टम कराया है।

यह है पूरा मामला: गेंडेवाली सड़क मूर्ति मोहल्ला में रहने वाले अशोक जोशी के मकान का निर्माण कार्य चल रहा है। रविवार को छज्जे पर शौचालय बनवा रहे थे। उसी समय वहां छज्जे पर अशोक, उनकी पत्नी कृष्णा जोशी, बेटा और कारीगर रमाकांत भी मौजूद थे। तभी छज्जा कमजोर होने से वजन सह नहीं सका और अचानक भरभरा कर गिर पड़ा। छज्जे के साथ-साथ उस पर खड़े अशोक, कृष्णा, रमाकांत सहित चारों लोग भी नीचे आ गिरे। मलवा उनके ऊपर आकर गिरा तो वह सभी मलबे में दब गए। आस-पड़ोस के लोगों ने देखा तो तत्काल मदद के लिए दौड़े। इसी समय दमकल दस्ता भी पहुंच गया। मकान के मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। जहां मकान मालिक की पत्नी कृष्णा की हालत गंभीर थी। क्योंकि सबसे आखिर में उसे ही निकाला गया था। सोमवार तड़के 5 बजे इलाज के दौरान कृष्णा की मौत हो गई है।

अचानक बिगड़ी तबीयत, मौत: JAH के ट्रॉमा सेंटर के ICU में भर्ती कृष्णा जोशी की हालत रविवार शाम से ही ठीक नहीं थी। रात 9 बजे तक लगा स्थिति कन्ट्रोल में है, लेकिन कुछ देर बाद अचानक उनकी हालत बिगड़ने लगी। सांसें उखड़ने लगीं। इसके बाद सोमवार तड़के महिला ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने छ॥ से मिली सूचना के बाद शव को निगरानी में लेकर पोस्टमार्टम कराया है। साथ ही मर्ग कायम कर लिया है।

सबसे ज्यादा देर तक मलबे में रहीं: मकान मालिक अशोक जोशी की पत्नी कृष्णा जोशी जब हादसा हुआ तो छज्जे पर अंदर की तरफ खड़ी थीं। छज्जा गिरा तो वह अंदर दब गईं। उनके ऊपर ढेर सारा सीमेंट, पत्थर व मलबा गिरा। जब लोगों ने बचाव कार्य किया तो वह सबसे नीचे और पीछे दबी थीं। इसलिए उनको निकालने में देरी हो गई।

कलेक्टर श्री सिंह ने डबरा पहुँचकर किया निर्माण कार्य का अवलोकन

ग्वालियर। जिले के डबरा मुख्यालय पर नवनिर्मित 100 बिस्तरीय अस्पताल के निर्माण का कार्य तेजी से करने के निर्देश कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने दिए हैं। कोविड-19 के संक्रमण की तीसरी लहर की संभावनाओं को देखते हुए जिला मुख्यालय के साथ-साथ ब्लॉक मुख्यालयों पर भी स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का कार्य तेजी से किया जा रहा है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सोमवार को डबरा पहुँचकर निर्माणाधीन 100 बिस्तरीय अस्पताल के निर्माण कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित निर्माण एजेन्सी के लोगों को निर्देशित किया है कि अस्पताल के निर्माण का कार्य तीव्र गति से किया जाए। निरीक्षण के दौरान एडीएम श्री रिंकेश वैश्य, एसडीएम डबरा श्री प्रदीप कुमार शर्मा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाइन के प्रति लापरवाह अधिकारी दीनदयाल रसोई में जमा करें प्रति षिकायत 100-100 रुपए: निगमायुक्त

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने सोमवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा सीएम हेल्पलाइन के निराकरण के प्रति लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर नाराजगी दिखाते हुए, जिन शिकायतों में जबाव ही दर्ज नहीं किए गए हैं ऐसे 22 अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी करने एवं 100 रुपए प्रति शिकायत के मान से दीनदयाल रसोई में कल शाम तक जुर्माना जमा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

नगर निगम के प्रशासनिक भवन में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की जानकारी लेने पर नोडल अधिकारी द्वारा बताया गया कि गत माह की लगभग 1800 शिकायतें लंबित हैं, जिसको लेकर निगमायुक्त श्री वर्मा ने सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल शिकायतों का निराकरण कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही टीएल के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कार्यालय अधीक्षक श्री प्रभाकर द्विवेदी द्वारा समय सीमा प्रकरणों के निराकरण में देरी करने पर कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश संबंधित अपर आयुक्त को दिए गए। विद्युत विभाग के इंजीनियरों को निर्देश दिए कि दीनदयाल रसोई एवं रैन बसेरों में पंखों आदि की व्यवस्था प्रोपर की जाए तथा रात्रि के समय क्षेत्र में भ्रमण करें कहीं भी अंधेरा न हो तथा स्ट्रीट लाइट यदि कहीं खराब है तो तत्काल बदली जाए। बैठक में निगमायुक्त श्री वर्मा ने डोर टू डोर कचरा संग्रहण एवं विभिन्न बाजारों में से कचरा संग्रहण को लेकर सभी क्षेत्राधिकारियों से जानकारी प्राप्त की तथा निर्देश दिए कि बाजारों में खानपान की दुकान चलाने वालों से बात कर कचरा संग्रहण की व्यवस्था बनाएं तथा यदि जरुरत हो तो रात्रि में मार्केट में गाडी खडी करें जिससे कचरा सडक पर न आए। यदि व्यवस्था बनाने के बाद भी दुकानदार नहीं माने तो संबंधित के खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही की जाए।

बैठक में नालों की सफाई को लेकर जानकारी ली गई तथा संबंधित क्षेत्रों के अपर आयुक्त एवं सीसीओ से वार्डवार साफ हो चुके तथा शेष रह गए नालों को लेकर चर्चा की नियमित नाला सफाई का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। वहीं डिपो प्रभारियों को भी निर्देश दिए कि डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहनों का क्षेत्र में औचक निरीक्षण करें। इसके साथ ही भयप्रद भवनों की जानकारी ली, जिसमें संबंधित अधिकारी द्वारा बताया गया कि 110 भयप्रद भवनों को नोटिस दिए गए हैं। रैन वाटर हार्वेस्टिंग को लेकर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी मांगी। साथ ही पौधारोपण के प्लान को लेकर भी चर्चा करते हुए नोडल अधिकारी पार्क को निर्देश दिए कि सभी आवश्यक कार्य पूर्ण करें तथा पौधा रोपण का कार्य प्रारंभ करें एवं जो भी संस्था या समिति यदि पौधे ले जाते हैं तो यह सुनिश्चित करें कि वह पौधे कहां लगाएंगे और अंकुर अभियान के तहत उन्हें रजिस्टर्ड कर पौधारोपण कराएं। इसके साथ ही रोडों के डिवायडरों पर वहां रहने वाले स्थानीय नागरिकों से पौधारोपण कराएं और उन्हें पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी भी दें।

मृतक कर्मचारियों के प्रति व्यक्त की शोक संवेदना: बैठक के अंत में निगमायुक्त श्री शिवम वर्मा ने निगम परिवार के दो कर्मचारी श्री हेमन्त गुप्ता एवं श्री आकाश का दुखद निधन होने पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की घटनाएं दुखद हैं तथा सभी कर्मचारी एक परिवार की तरह हैं और हम सभी का कर्तव्य है कि यदि कोई कर्मचारी तनाव में है या कोई समस्या है तो हम उसका निराकरण करें। कर्मचरियों की तनाव मुक्ति के लिए निगमायुक्त श्री वर्मा ने विशेष सेशन आयोजित करने की योजना बनाने को कहा। बाद में सभी अधिकारियों ने दो मिनट का मौन धारण कर दोनों कर्मचारियों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त कीं।

मछली विक्रेता की डंडे से पीट-पीटकर हत्या

ग्वालियर। ग्वालियर में सिर्फ 100 रुपए के लिए मछली विक्रेता की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मछली विक्रेता और मछली फ्राई करने वाले के बीच में गलतफहमी एक ग्राहक ने बढ़ाई थी। वारदात रविवार रात 10 बजे मछली मंडी मोतीझील पुरानी छावनी की है। घायल मछली विक्रेता ने सोमवार सुबह 6 बजे दम तोड़ दिया। घटना के बाद से इलाके में तनाव है। मृतक और हत्या करने वाला दोनों ही मंडी में पास-पास दुकानें चलाते हैं।

शहर के पुरानी छावनी में ओही मोहल्ला निवासी कय्यूम खान पुत्र बसीर खान मछली विक्रेता है। मोतीझील मछली व मीट मार्के में उसकी दुकान है। उसकी दुकान के पास ही कल्लू खान मछली फ्राई करने का फड़ लगाकर बैठता है। रविवार रात को कय्यूम और कल्लू अपनी-अपनी दुकान चला रहे थे। इसी दौरान एक युवक आया। उसने कय्यूम की दुकान से मछली खरीदी। इसके बाद उसने कल्लू की दुकान पर फ्राई करने के लिए दे दी। युवक तो मछली फ्राई करा कर ले गया, लेकिन बाद में कल्लू, कय्यूम से मछली फ्राई के 100 रुपए मांगने लगा। इस पर कय्यूम ने फ्राई का चार्ज ग्राहक से लेने के लिए कहा। इसी बात पर दोनों के बीच बहस होने लगी। दोनों बहस के बाद झगड़े पर उतर आए।

डंडे से पीट-पीटकर किया अधमरा, अस्पताल में मौत: विवाद बढ़ा, तो दोनों के बीच हाथापाई होने लगी। इसी समय कल्लू गुस्से में गया और डंडा उठा लाया। उसने कय्यूम पर वार कर दिए। डंडे से पीट-पीटकर उसे अधमरा कर दिया। जब कय्यूम बेहोश होकर गिर पड़ा, तो आरोपी वहां से भाग गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को अस्पताल पहुंचाया। सिर में कई बार डंडे से चोट लगने पर वह गंभीर रूप से घायल था। रातभर उसका इलाज चला, पर कय्यूम खां की बेहोशी नहीं टूटी। सोमवार सुबह 6 बजे उसने उसी बेहोशी के बीच दम तोड़ दिया।

अभी नहीं पकड़ा गया आरोपी: मामले में CSP रवि भदौरिया ने बताया है, मछली फ्राई को लेकर दो युवकों में विवाद हुआ और मारपीट हुई थी, जिसमें घायल मछली विक्रेता की इलाज के दौरान मौत हो गई है। हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी हमलावर की तलाश की जा रही है। अभी वह नहीं पकड़ा गया है।

दोस्त की 9 साल की बेटी के साथ किया दुष्कर्म

ग्वालियर। ग्वालियर में एक 9 साल की मासूम पर उसके ही पापा के दोस्त ने नीयत खराब कर दी। घर पर अकेली मासूम से अंकल ने दुष्कर्म किया। जब बच्ची रोने लगी तो आरोपी ने कहा कि किसी को कुछ बताना नहीं 50 रुपए दूंगा। घटना रविवार दोपहर 12 बजे की है। रात 10 बजे मां घर लौटी तो बच्ची ने पूरी घटना बताई। इसके बाद सोमवार सुबह परिवार थाने पहुंचा और शिकायत की। पुलिस ने तत्काल आरोपी अंकल शाहरूख हुसैन के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज कर ली है। फिलहाल वह गिरफ्तार नहीं हुआ है। बहोड़ापुर के ट्रांसपोर्ट नगर पार्किंग नंबर-6 के पास तस्सल वाली फैक्ट्री में एक परिवार मजदूरी करता है। मजदूर के चार बच्चे हैं। बड़ी बेटी की उम्र 9 साल है। इसी फैक्ट्री में शाहरूख पुत्र अबुहुसैन काम करता है। साथ काम करने के कारण वह घर भी आता जाता था। बच्चे उसे अंकल कहते थे। रविवार को युवक अपनी पत्नी के साथ किसी काम से बाहर गया था। घर पर चार बच्चे अकेले थे। दोपहर करीब 12 बजे शाहरूख अंकल घर पहुंचे। बच्चे उसे जानते थे इसलिए अंदर आने दिया। इसके बाद शाहरूख ने 10 रुपए देकर तीन बच्चों को बाजार चॉकलेट लेने भेज दिया, जबकि मजदूर की 9 साल की बेटी को उठाकर बाथरूम में ले गया। यहां उसके साथ दुष्कर्म किया। बच्ची ने विरोध किया तो उसे जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद मासूम सब सहती रही।

50 रुपए का लालच देकर गया: गंदा काम करने के बाद आरोपी शाहरूख जाते समय बच्ची को यह कहकर गया कि किसी को कुछ बताना नहीं। किसी को कुछ नहीं बताएगी तो वह उसे 50 रुपए देगा। इसके बाद वह भाग गया। इसी समय उसके भाई बहन बाजार से घर लौट आए।

रात को मां पहुंची तो दर्द से कराह रही थी मासूम: रात करीब 10 बजे मासूम की मां-पिता घर लौटे। मां ने देखा कि तीन बच्चे तो ठीक है, लेकिन बड़ी बेटी घबरा रही है। उसके पास जाकर बात की तो वह दर्द से कराह रही थी। मासूम पर पड़ोसी अंकल ने जो हैवानियत दिखाई थी उससे उसे पीड़ा हो रही थी। मां के पूछने पर पीड़ित मासूम ने पूरी बात बता दी।

प्रशासन है मौन

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478